डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.aadhuniksamachar.com

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-8

सिनेमाः झूठे लगे कृष्णा अभिषेक के आंसू बोले- ये बड़े आदमी हो गए हैं

वर्ष -08 अंक -89 | प्रयागराज, शनिवार 11 जून, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

अब नहीं होगी सेप्टिक टैंक की सफाई के वक्त श्रमिकों की मौत

नई दिल्ली। आइआइटी मद्रास के शोधकर्ताओं ने एक ऐसा रोबोट बनाया है, जो सेप्टिक टैंक की सफाई करने में सक्षम है। इसके इस्तेमाल से श्रमिकों को सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए टैंक में नहीं उतरना पड़ेगा। इसका नाम 'होमोसेप' है। होमोसेप को हाथ से मैला ढोने की प्रथा को खत्म करने और सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान होने वाली श्रमिकों की मौत की दुर्घटनाओं की संभावना को खत्म करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि 10 रोबोट को तमिलनाडु में तैनात करने की योजना है। किन जगहों पर रोबोट को तैनात किया जाएगा इसे तय करने के लिए शोधकर्ता स्वच्छता कार्यकर्ताओं के संपर्क में है। अगले चरण में गुजरात और महाराष्ट्र में रोबोट की तैनाती पर विचार किया जा रहा है। इस समय दो होमोसेप को नागम्मा और रूथ मैरी के नेतृत्व में स्वयं सहायता समूहों को गैर सरकारी संगठन) सफाई कर्मचारी आंदोलन के माध्यम से वितरित किया गया है। इन दोनों महिलाओं के पतियों की टैंक की सफाई करते समय मौत हो गई थी।

डराने लगा कोरोना महाराष्ट्र में एक दिन में 2813 और दिल्ली में 622 नए केस

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में कोरोना की रफ्तार बेकाबू होने की ओर है। महाराष्ट्र में बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 2813 नए मामले सामने आए हैं, जबकि एक शख्स की संक्रमण से मौत हो गई है। राज्य में संक्रमण दर भी तेजी से बढ़ रही है। महानगर मुंबई में भी संक्रमण के मामले कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। मुंबई में बीते 24 घंट में कोरोना के 1702 नए केस सामने आए हैं। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार ने राज्यों को पत्र लिखकर आगाह किया है। साथ ही उचित कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी संक्रमितों की संख्या में बड़ा उछाल दर्ज किया गया है। दिल्ली में बीते 24 घंटे में कोरोन के 622 नए मामले सामने आए हैं, जबकि दो लोगों की संक्रमण से मौत हो गई है। एक दिन पहले बुधवार को दिल्ली में कोरोना के 564 नए केस सामने आए थे, जो 15 मई के बाद सबसे ज्यादा रहे। दिल्ली संक्रमण दर बढ़कर 3.17 फीसद पर पहुंच गई है।

असदुद्दीन ओवैसी पर दिल्ली पुलिस की एफ आई आर से भड़के ए आइ एम आई एम के कार्यकर्ता

नई दिल्ली। असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ दिल्ली पुलिस द्वारा एफआइआर दर्ज करने का विरोध करना एआइएमआइएम कार्यकर्ताओं को भारी पड़ गया है। विभाजनकारी आधार पर लोगों को उकसाने वाले संदेश पोस्ट करने के मामले में ओवैसी पर दर्ज एफआइआर का विरोध कर रहे 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सभी कार्यकर्ता संसद मार्ग थाने के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। बता दें कि एक महिला सहित कुल 33 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया और लोक सेवक द्वारा विधिवत घोषित आदेश की अवहेलना के लिए प्राथमिकी दर्ज की गई।

मंदिर में तोड़-फोड़ पर भारत के बयान से तिलमिलाया पाक, जानें क्या कहा

इस्लामाबाद। 'उल्टा चोर कोतवाल को डाटे' वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए पाकिस्तान ने कराची स्थित एक हिंदू मंदिर में तोड़ फोड़ पर आए भारत के बयान को खारिज कर दिया। उल्टा उसने भारत पर आरोप लगाया है कि यहां रहने वाले मुस्लिम समुदाय का उत्पीड़न हो रहा है और वे परेशान हैं। दरअसल कराची के कोरंगी इलाके के श्री मारी माता मंदिर में बुधवार को देवी-देवताओं की मूर्तियों पर हमला किया गया है। मामले को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, 'यह धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ सोची-समझी साजिश है।' बागची ने गुरुवार को कहा, 'हमने पाकिस्तान सरकार के पास अपना विरोध दर्ज कराया है और वहां रहने वाले अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और बेहतरी के लिए दोबारा आग्रह किया है।' कराची में मंदिर में तोड़फोड़ को लेकर भारत ने पाकिस्तान से सख्त विरोध जताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, 'हमने पाकिस्तान के कराची शहर में एक हिंदू मंदिर में की गई तोड़फोड़ की घटना पर गौर किया है। यह धार्मिक अल्पसंख्यकों की व्यवस्थित उत्पीड़न की एक और कड़ी है।' उन्होंने कहा भारत ने इस घटना पर विरोध दर्ज कराया है

और पाकिस्तान से वहां के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का आग्रह किया है। मुस्लिम देशों व ओआइसी ने भी साधी चुप्पी हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की घटना पर मुस्लिम देशों और उनके संगठन ओआइसी ने चुप्पी साध ली है। एक भी देश की तरफ से इस घटना पर विरोध दर्ज कराना तो दूर, निंदा तक नहीं की गई है। यही देश पैगंबर के बारे में भाजपा के दो पूर्व नेताओं की टिप्पणी को लेकर भारत को सभी धर्मों और वर्गों की आस्था का सम्मान करने की नसीहत दे रहे थे। हालांकि, भारत ने ओआइसी और पाकिस्तान को इसको लेकर जमकर फटकार भी लगाई थी। पाकिस्तान में हिंदुओं की आबादी करीब 22 लाख 10 हजार है, जो देश की जनसंख्या का केवल 1.18 फीसद है। देश की कुल रजिस्टर्ड आबादी 18 करोड़ 68 लाख से अधिक है। नेशनल डाटाबेस एंड रजिस्ट्रेशन आथरिटी (एनएडीआरए) के मुताबिक पाकिस्तान की कुल आबादी में अल्पसंख्यक पांच फीसद से भी कम हैं। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा हिंदू आबादी का है। यहां के सिंध प्रांत में अधिकांश हिंदू आबादी रहती है। मुसलमानों की आबादी 18 करोड़ 25 लाख 92 हजार है। देश में कुल 17 मतों के लोग रह रहे हैं। इनमें ईसाई 18,73,348, अहमदिया 1,88,340, सिख 74,130 व बैंस 14,537 हैं।

विशेषज्ञों ने देश में कोरोना की चौथी लहर से किया इन्कार

नई दिल्ली। देश में कोविड-19 संक्रमण के मामलों में एक बार फिर बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। पिछले 24 घंटों में सात हजार से अधिक नए मामले दर्ज किए गए है। हलांकि विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में चौथी लहर की आशंकाएं बहुत

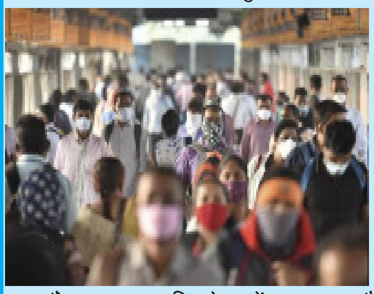

कम हैं। जब तक कि देश में कोरोना का कोई नया वैरिएंट सामने नहीं आता है। गुरुवार को एएनआई के साथ बातचीत में, मैक्स हेल्थकेयर के निदेशक, डा. रोमेल टिक्कू ने कहा कि, भारत में चौथी लहर की आशंका नहीं है। जब तक कि देश में वैरिएंट का कोई नया संस्करण रिपोर्ट नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि लोग विभिन्न स्थानों की यात्रा कर रहे हैं जिसके कारण मामले बढ़ रहे हैं। पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि के कारण मामलों की आशंका बढ़ रही है। डा. रोमेल टिक्कू के मुताबिक भारत स्थानिकता की ओर बढ़ रहा है। जिसके चलते कोई बड़ा उछाल आने की आशंका नहीं है। हालांकि, उन्होंने कोविड-19 संक्रमण को लेकर सावधानी बरतने की बात कही है। उन्होंने कहा कि जब तक जब तक कोरोना के मामले नियंत्रित तादाद में आ रहे हैं, तब तक चिंता की कोई बात नहीं है। इस बीच डा. टिक्कू ने सचेत करते हुए कहा कि कोविज वायरल बीमारी है और वो हमारे बीच कुछ और वक्त तक रहेगी। हमें बेहद सावधान रहने की जरूरत है, साथ ही सरकार के दिशानिर्देशों के अनुरूप उचित व्यवहार का पालन करने की भी जरूरत है। देश में गुरुवार को 7,240 ताजा कोरोनावायरस मामले दर्ज किए गए। जो कि एक दिन पहले की तुलना में करीब 40 फीसदी अधिक हैं। महाराष्ट्र और केरल जैसे राज्यों में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। दो मार्च के बाद से दैनिक मामलों की संख्या में यह सबसे अधिक उछाल है। बुधवार को, भारत में दैनिक मामलों में लगभग 41 फीसदी की वृद्धि देखी गई।

राजस्थान में फंसा है पेंच, निर्दलीय प्रत्याशी बिगाड़ सकते हैं कांग्रेस का खेल

नई दिल्ली। राज्य सभा चुनावों के लिए राजस्थान में होने वाला मतदान शुरू हो चुका है। भाजपा-कांग्रेस अपने विधायकों को लेकर चुनावी स्थल पर पहुंच रहें हैं। चार सीटों पर होने वाले इस चुनाव में पांच उम्मीदवार मैदान में हैं। जिसमें उसके तीनों उम्मीदवार जीत रहें हैं। भाजपा अपने 71 विधायकों के साथ चुनाव मैदान में है। इस तरह से भाजपा के एक उम्मीदवार की जीत पक्की बताई जा रही है। क्योंकि एक सांसद को चुनने के लिए 41 विधायकों की जरूरत है। वहीं

भाजपा के साथ केन्द्र सरकार में सहयोगी लोकसभा सांसद हनुमान बेनीवाल ने निर्दलीय प्रत्याशी सुभाष को समर्थन करने की बात की है। चूकि हनुमान बेनीवाल की पार्टी के पास तीन विधायक हैं। सूत्रों का कहना है कि निर्दलीय उम्मीदवार भी जीत सकते हैं यदि कांग्रेस के आठ विधायक क्रास मतदान करते हैं तो। कांग्रेस के तीन तो भाजपा के एक और भाजपा समर्थित एक निर्दलाय प्रत्याशी सुभाष चंद्रा भी हैं। राजस्थान के राज्यसभा चुनाव में सबसे रोचक उम्मीदवार सुभाष चंद्रा हैं। सुभाष चंद्रा निर्दलीय हैं जिन्हें भाजपा समर्थन कर रही है बावजूद कि भाजपा के पास विधायक संख्या कम है। इस चुनाव में 41 विधायक मिलकर एक एक सांसद चुन सकते हैं। ऐसे में कांग्रेस के पास अपने और अन्य पाटिर्यों के और निर्दलीय विधायक मिलाकर 126 हैं। जिसके आधार पर कांग्रेस का दावा है कि दरअसल भाजपा के एक उम्मीदवार की जीत के बाद उसके पास 33 विधायक अतिरिक्त बचते हैं। ऐसे में सुभाष चंद्रा को कांग्रेस की तरफ से क्रास मतदान की ही एक उम्मीद है जिससे वे जीत सकते हैं। ऐसे माहौल में कांग्रेस किसी भी तरह की चूक से बचने को तत्पर है। कांग्रेस के तीन बड़े नेताओं की किस्मत आज तय होनी है जिनमें प्रमोद तिवारी, रणदीप सिंह सुरजेवाला और मुकुल वासनिक हैं। वहीं भाजपा के घनश्याम तिवाड़ी तो निर्दलीय उम्मीदवार सुभाष चंद्रा हैं।

कांग्रेस ने सीएम विजयन का मांगा इस्तीफा, कहा- सरकार के खिलाफ सबूत देने को तैयार लोगों को धमकाने की हो रही कोशिश

कोच्चि। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीसन ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ लेफ्ट डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीएफ) सरकार मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के खिलाफ सबूत देने के लिए तैयार लोगों को धमकाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि जो लोग सबूत देना चाहते हैं उनके खिलाफ नए मामले दर्ज किए जा रहे हैं। इस बीच मामले में सीएम पिनाराई विजयन के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन भी किया। इधर सतीसन ने कहा कि सरकार उन लोगों को धमकाने की कोशिश कर रहे हैं जो मुख्यमंत्री और सरकार के खिलाफ सबूत देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने एक अन्य आरोपी के खिलाफ सतर्कता जांच की और उसका अपहरण कर लिया गया। उसका फोन छीन लिया गया और उसे बिना किसी मामले के संबंध में छोड़ दिया गया।

पीएम मोदी गुजरात को देंगे एक और सौगात

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात को एक और सौगात देने वाले हैं। वे 10 जून को अहमदाबाद का दौरा करेंगे। यहां वे बोपल में भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) के मुख्यालय का उद्घाटन करेंगे। इसे जून 2020 में केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिली थी। जानकारी के मुताबिक, इन-स्पेस एक नोडल एजेंसी होगी, जो अंतरिक्ष गतिविधियों और गैर-सरकारी निजी संस्थाओं को अंतरिक्ष से जुड़ी सुविधाओं के विभाग के उपयोग की अनुमति देगी। इसका मकसद अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए ज्यादा से ज्यादा निजी भागीदारी को सुनिश्चित करना होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने अपने ट्विटर हैंडल पर इन-स्पेस मुख्यालय के उद्घाटन की घोषणा की।

अब मेडिकल कालेज की 1456 सीटों पर नहीं होगी स्पेशल काउंसलिंग सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उन याचिकाओं को खारिज कर दिया जिसमें में 1,456 सीटों को भरने के लिए काउंसलिंग की मांग की जा रही थी। अब मेडिकल कालेज की 1,456 सीटों पर स्पेशल काउंसलिंग नहीं होगी। कोर्ट ने कहा कि एक हजार से जयादा नान क्लिनिकल सीट खाली है। जस्टिस एमआर शाह और अनिरुद्ध बोस की बेंच ने कहा कि मेडिकल शिक्षा में गुणवतता के साथ समझौता नहीं किया जा सकता है जो लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित करेगा। कोर्ट ने कहा कि सरकार और मेडिकल काउंसलिंग कमिटी का काउंसलिंग की अनुमति न देने का यह फैसला मेडिकल एजुकेशन और पब्लिक हेल्थ के पक्ष में है। इससे पहले गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने याचिकार्ताओं से सवाल किया था कि केवल इसलिए कि 8-9 राउंड की काउंसलिंग के बाद भी कुछ सीटें खाली छोड़ दी गई हैं, क्या आप ऐसा कह सकते हैं कि शिक्षा और लोगों के स्वास्थ्य से समझौता करके आपको तीन साल के कोर्स में डेढ़ साल के बाद प्रवेश दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि 21 में अखिल भारतीय कोटा के लिए विशेष 'स्ट्रे राउंड' काउंसलिंग की एक सीमा होनी चाहिए। कोर्ट ने बताया था कि छात्रों को शिक्षा और लोगों के स्वास्थ्य से समझौता करके दाखिला नहीं दिया जा सकता है। इसके साथ ही जस्टिस एमआर शाह और अनिरुद्ध बोस की बेंच ने नीट पीजी 2021 में 1,456 सीटों को भरने के लिए विशेष 'स्ट्रे राउंड' काउंसलिंग कराने की अपील करने वाली याचिकाओं पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था। गुरुवार को केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सालिसिटर जनरल बलबीर सिंह को कोर्ट ने याचिकाओं को प्रतिकूल मुकदमे के तौर पर नहीं लेने की सलाह दी थी। कोर्ट ने कहा था कि इसे एक प्रतिकूल मुकदमे के रूप में न लें। यह 1,400 मेडिकल सीटों का सवाल है। ये सनतकोत्तर (पीजी) की सीटें हैं। वहीं बलबीर सिंह ने कहा था कि फरवरी में कक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। ऐसे में अब छह से आठ महीने और कक्षाएं कराना संभव नहीं है। ऐसे में यदि आगे काउंसलिंग कराई जाती है तो इससे नीट 2022 की पढ़ाई पर असर पड़ेगा। इस पर शीर्ष अदालत ने कहा कि सरकार भी सुपर स्पेशियलिटी डाक्टर चाहती है। हमारे पास डाक्टरों की कमी है ये डाक्टर देश की सेवा कर सकते हैं। इतनी बड़ी संख्या 1,400 में खाली पड़ी सीटों को कम भी नहीं कहा जा सकता है।

ब्रिज से फोटो क्लिक करते हुए नदी में गिरा पटना का पर्यटक लापता, ड्राइवर का शव बरामद

नई दिल्ली। सेल्फी लेना आजकल जानलेवा साबित होता जा रहा है। ऐसे कई मामले सामने आए हैं जब लोग सेल्फी लेने के चक्कर में अपनी जान गवां देते हैं। ऐसा ही एक मामला उत्तरी सिक्किम में हुआ जहां भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने एक स्थानीय ड्राइवर का शव बरामद किया है, जो तस्वीरें क्लिक करते हुए रीत चू ब्रिज से नदी के तल पर गिर गया था। आईटीबीपी टीम की 11वीं बटालियन ने गुरुवार को शव बरामद किया। चालक के साथ एक पर्यटक भी नदी में गिर गया था। ने बताया कि ड्राइवर और एक पर्यटक गलती से नागा गांव के पास रीत चू पुल से उस समय गिर गए, जब वे पुल के किनारे पर तस्वीरें खींच रहे थे और संतुलन खो बैठे और नदी के तल पर गिर गए। अर्धसैनिक बल ने कहा कि पर्यटक अभी लापता है और उसकी तलाश जारी है। बता दें कि पर्यटक बिहार के पटना से आया था और उसके साथ उसकी पतनी, बेटा और बेटी थी जो छुट्टी पर आए थे।

बारा समाधान दिवस पर फरियादियों का लगा जमावड़ा

(आधुनिक समाचार सेवा)
राकेश मिश्रा

प्रयागराज। बारा तहसील समाधान दिवस के मौके पर उप जिलाधिकारी बारा सौम्या गुरुरानी सीडीओ प्रयागराज सीपू गिरी एसपी जमुनापार सौरभ दिक्षित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ तरुण पाठक तहसीलदार बारा लेखपाल बिजली विभाग के कर्मचारी गण के साथ शंकरगढ़ कौंधियारा बारा लालापुर घूरपुर पुलिस टीम मौजूद सबसे बड़ी बात यह है कि समाधान दिवस पर सबसे ज्यादा शिकायत राजस्व संबंधित आती है लेकिन समाधान बहुत कम हो पाता है अधिकारियों के आदेश पर आदेश होने के बावजूद भी फरियादी परेशान दिख रहे हैं सरकार एक्शन पर है लेकिन अधिकारियों की कार्यशैली धीमी गति पर यह प्रशन्वाचक चिन्ह लग रहा है थोड़ा बहुत शिकायतें पुलिस विभाग की आई इसमें एसपी जमुनापार सौरभ दीक्षित एक्शन लेते हुए थाना इंचार्ज को आदेशित करते हुए अपने अपने क्षेत्र में जो भी मामले आ रहे हैं गंभीरता के साथ जांच पड़ताल करके कार्यवाही करें किसी भी प्रकार हीला हवाली न करें अगर विभाग के अधिकारी अपने नियमावली थोड़ा सा बदल दें ता ा ` काफी सुधार हो सकता है अपने कर्मचारियों पर जानकारी लेते रहें कहां क्या कार्रवाई हुई या नहीं हुई राजस्व संबंधित मामले को लेखपाल क्षेत्र में बराबर जुड़ करके लोगों की समस्याओं का समाधान करें अगर इस तरह की व्यवस्था कायम हो जाए तो काफी हद तक समस्या का समाधान हो सकता है अपनी अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करने पर जनता को राहत की सांस मिल सकती है देखिए विभाग के अधिकारी कर्मचारी कितना एक्शन लेते हैं।

गर्ल्स हॉस्टल में स्पाई कैमरा लगाने वाला आशीष खरे टेक्नीशियन के साथ फिर से दबोचे गया, दोनों अपराधी भेजे गए सलाख़ों के पीछे

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलाश गुप्ता

प्रयागराज। गर्ल्स हॉस्टल में स्पाई कैमरा लगाने वाला आशीष खरे टेकनेशियन के साथ फिर से दबोचे गया। चौतरफ़ा पड़ते दबाव के बीच पुलिस ने इस बार कैमरा लगाने वाले टेकनेशियन को भी गिरफ़्तार कर मज़बूत केस बनाया है। आशीष खरे के खिलाफ़ 2 जून को थाना कर्नलगंज पर मुक़दमा लिखा गया था। उस पर आरोप था कि उसने अपने घर के दूसरे तल पर स्थित दो कमरों के कॉमन बाथरूम के शॉवर में स्पाई हिडेन कैमेरा फ़िट कर रखा था, जिसकी मदद से वह गोपनीय रूप से महिलाओं के फ़ोटो और वीडियो इकट्ठा कर सकता था। इस गंभीर सूचना पर तत्काल मुक़दमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी गई थी। भारतीय दंड विधान और आई टी ऐक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत उपरोक्त मुक़दमा दर्ज करने के बाद हिडेन कैमेरा, डीवीआर समेत तमाम सबूतों के साथ आशीष खरे की गिरफ़्तारी कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय द्वारा यह कहते हुए कि समस्त धाराएँ जमानतीय हैं, अभियुक्त को ज़मानत पर छोड़ने के आदेश दे दिए गए थे। प्रयागराज पुलिस द्वारा अपनी तफ़तीश जारी रखी गई थी। आशीष खरे से पूछताछ में तमाम क्लू मिले थे। जिसके आधार पर उसके साथी और थाना कैंट के राजापुर चौकी क्षेत्र निवासी 30 वर्षीय मोहम्मद फैय्याज़, जो ण्ण्ऊनन् कैमरा इंस्टॉल करने का एक्सपर्ट है, को भी रविवार पुलिस टीम द्वारा दबोच लिया गया। उसने एक साज़िश के तहत यह हिडेन कैमेरा लगाया था। उपरोक्त अनुक्रम में आज एक अन्य युवती ने भी आशीष खरे के खिलाफ मोबाइल द्वारा अश्लील कॉल करने और मेसेज भेजने संबंधी मुक़दमा थाना कर्नलगंज पर दर्ज कराया। जिस पर कड़ी कार्यवाही करते हुए दोनों अभियुक्तों को तमाम सुसंगत सबूतों के साथ माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जिस पर इन दोनों अभियुक्तों आशीष खरे और मोहम्मद फैय्याज़ को सलाख़ों के पीछे भेजा गया। पूछताछ में ज्ञात हुए तथ्यों के आधार पर आशीष खरे इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बी कॉम (सनतक) किया है तो वहीं मोहम्मद फैय्याज़ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय से बीए (सनतक) कर चुका है उल्लेखनीय है, पूछताछ के अनुसार, जेल भेजे गए अभियुक्त आशीष खरे की माँ की घरेलू विवाद से उपजी तमाम बीमारियों की वजह से 6 साल पहले और विवाहित सगे भाई की 3 साल पहले चोट लगने और बीमारी के कारण मृत्यु हो चुकी है। इसके पिता सरकारी सेवाओं से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। इसके घर में काफ़ी समय से घरेलू विवाद चलता रहा था। 43 वर्ष की उम्र में भी इसकी शादी नहीं हो सकी थी। इसने कम्प्यूटर से संबंधित ओ लेवल कोर्स भी कर रखा था। कम्प्यूटर की कोचिंग भी कराता था। पर, यह कहीं सफल नहीं हो पा रहा था। यह अपने जीवन से काफ़ी परेशान चल रहा था। उसके बाद उसने मोबाइल फ़ोन के माध्यम से तमाम युवतियों को फ़ोन करके उनसे अश्लीलता से बात करना शुरू किया और फिर, हिडेन कैमेरा लगा कर युवतियों के फ़ोटो एवं वीडियो एकत्र करने का प्लान बना डाला। हालाँकि, जैसे ही लड़कियाँ किराए पर रहने के लिए आईं उसी दिन जब उनके किसी रिश्तेदार द्वारा बाथरूम का बारीकी से निरीक्षण किया गया तो हिडेन कैमरे का भेद खुल गया। आशीष खरे यहाँ भी असफल हुआ और अपने तमाम कुकृत्यों और कुसंस्कारों की वजह से अपने साथी समेत।

मालिक के घर में सालों चोरी करत करते ख़रीदा खुद का मकान, गाड़ी

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलाश गुप्ता

प्रयागराज। सिविल लाइंस पुलिस ने सोमवार को पोलोग्राउंड मजार से एक ऐसे नौकरों के गिरोह को पकड़ा जिसने अपने मालिक के घर में 10 साल चोरी करते-करते न सिर्फ़ अपना मकान बल्कि स्कूटी और तमाम एशो-आराम के सामान भी ख़रीद लिए। माँ-बाप और बेटी के इस गिरोह ने अशोक नगर में रह रहीं मकान मालकिन के यहाँ 2012 से काम करना शुरू किया। शुरुआत से ही अपनी मेहनत और ईमानदारी दिखा कर इन्होंने मकान मालिक और मालकिन का दिल जीता। जब उनको तीनों पर पूरी तरह विश्वास हो गया तब इन्होंने घर में रखे पैसों पर हाथ साफ़ करना शुरू कर दिया। धीरे-धीरे करते हुए इन्होंने 7 लाख रुपए चुरा लिए। इस पैसों से उन्होंने मकान और एक एक्टिवा स्कूटी ख़रीद लिया। इतने पर भी चोरों का मन नही भरा और उन्होंने घर से एक लाख रुपए पर हाथ साफ़ कर दिया। इतनी बड़ी चोरी हुई तो मालकिन ने सिविल लाइंस थाने में रविवार को रिपोर्ट लिखायी। पुलिस ने जब तीनो का इतिहास खंगाला तो उन्हें शक हुआ और रिपोर्ट लिखाने के 24 घंटे बाद ही तीनों को पोलोग्राउंड से धर-दबोचा गया। आरोपियों की पहचान मुख़्तार अहमद, 40, रेशमा 38, और ख़ुशबू, 22 है। उनकी निशानदेही पर मकान की रजिस्ट्री के काग़ज़, स्कूटी और एक लाख नक़द भी बरामद हुआ।

कुएं में गिरा सांड, फायर सर्विस वालों ने निकाला

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। सराय इनायत थाना के रमईपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास शनिवार सुबह सांड नरेंद्र सिंह पुत्र रामानंद सिंह के कुएं में गिर गया। ग्रामीणों ने अपने संसाधनों से सांड निकालने का प्रयास किया। परंतु नहीं सफल हुए। तो फायर टेंडर को सूचना दी। मौके पर मोहम्मद मुरतुजा एवं ताराचंद ने पहुंचकर रस्से के सहारे सांड को बाहर निकाला। इसी प्रकार सब्जी मंडी के पीछे तथा पांडेयपुर प्रतापपुर में झाडियों में लगी आग पर फायर कर्मचारियों ने सूचना पाते ही जाकर बड़ी दुर्घटना होने से बचाया।

संपूर्ण समाधान दिवस बना हंगामा दिवस

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। संपूर्ण समाधान दिवस मात्र शोपीस और औपचारिक बनता जा रहा है। जिले से अपर आयुक्त पुष्पराज सिंह आए और चले गए। मात्र एसडीएम फूलपुर अम्बरीश बिंद ही फरियादियों से रूबरू रहे। परंतु कोई ना माना। एक पर एक चढ़े हुए थे। बाद में सब के प्रार्थना पत्र एमडीएम ने एकत्रित करके अपने पास रख लिए। तब भी लोग शोर मचाते रहे। आज ना तो बीडीओ गण ना सहायक विकास अधिकारी गण ना तहसीलदार ना ही अन्य बड़े अफसर आए। जिले से भी लोगों ने आना बंद कर दिया। कोई आफिस का बाबू तो कोई चपरासी भेजता है। जिससे समस्याओं का बोझ बढ़ता जा रहा है। संपूर्ण समाधान दिवस एवं समाधान दिवस में बढ़ती भीड़ इस बात का घोतक है। कि फर्ज अदायगी हो रही। राजस्व संबंधी मामलात के बढ़ने से गांव में क्राइम भी बढ़ रहा है। आज कुल 376 प्रार्थना पत्र आए। जिन्हें संबंधितो को दे दिया गया।

दूरदराज से चलकर आए फरियादी अधिवक्ताओं के आगे अपनी समस्या ना रख पाए। तो हो हल्ला शुरू कर दिए। देखा यह जाता है। कि स्थानीय फरियादी अपने वकील के साथ जाते हैं और अधिकारियों से काफी समय तक तकरार करते रहते हैं। पीछे खड़े फरियादी अपनी बात नहीं कर पाते। अंततः एसडीएम ने पुलिस वालों को आवाज देकर लाइन लगवाने का आदेश दिया।

मंत्री नन्दी ने प्रयागराज की जनता की ओर से मुख्यमंत्री को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री एवं प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के विधायक नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सरकारी आवास 5 कालीदास मार्ग मुलाकात कर उन्हें प्रयागराज की जनता की तरफ से जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी। उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं सुदीर्घ जीवन की कामना की। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने कहा कि 25 करोड़ उत्तर प्रदेश वासियों के प्रगति, समृद्धि और खुशहाली के लिए सतत समर्पित प्रदेश के

यशस्वी एवं माननीय कमन्योगी मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में लगातार प्रगति पथ पर अग्रसर है। कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में औद्योगिक क्षेत्र में उत्तर प्रदेश नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। उत्तर प्रदेश वन ट्रिलियन इकोनॉमी वाला प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। मंत्री नन्दी ने कहा कि ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी -3 के जरिए उत्तर प्रदेश में 80 हजार करोड़ रुपए का निवेश एवं देश के जाने माने उद्योगपतियों का आगमन इस बात का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

फूलपुर उपखंड अधिकारी ने दी एक मुश्त समाधान कैंप की जानकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। विद्युत उपखंड फूलपुर के उपखंड अधिकारी प्रांजल मिश्रा ने एकमुश्त समाधान योजना हेतु समस्त उप केंद्रों के अंतर्गत समाधान कैंप की सूचना निमन तिथियों जैसे फूलपुर ग्रामीण इंद्रसेन यादव महुआ कोठी दिनांक 5/6/ 2022 , फूलपुर तहसील विजय कुमार सरोज पावर हाउस फूलपुर दिनांक 7/6/ 2022, सिकंदरा रवि शंकर पटेल बहरिया 9/6/ 2022, घोषणा विशाल सिंह कुशवाहा कलंदरपुर दिनांक11/6/ 2022,खंसार बृजराज राम मैलहन दिनांक 13/6/2022,करनाईपुर विशाल सिंह कुशवाहा करनाईपुर बाजार दिनांक 15/6/2022, प्रतापपुर बृजराज राम प्रताप पुर बाजार दिनांक 17/6/2022, थानापुर विजय कुमार सरोज थानापुर दिनांक 19/6/2022, फूलपुर ग्रामीण इंद्रसेन यादव जोगिया शेखपुर दिनांक 21/ 6/2022, सिकंदरा रवि शंकर पटेल कहली दिनांक 23/6/ 2022, प्रतापपुर बृथ राज राम करुआडीह दिनांक 25/6/2022, घोषणा विशाल सिंह कुशवाहा सिसई सिपाह दिनांक 27/6/ 2022, फूलपुर तहसील विजय कुमार सरोज पावर हाउस फूलपुर दिनांक 29/6/2022 पर लगेगा। उन्होंने सम्मानित उपभोक्ताओं को उसका लाभ लेने की अपील की है।

मंदसौर के शहीद किसानों की शहादत को याद करते हुए किसानों ने एमएसपी गारंटी कानून की मांग

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। आज अखिल भारतीय किसान महासभा के राष्ट्रीय आह्वान पर उप जिलाधिकारी कार्यालय फुलपुर, प्रयागराज, में शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीके से कोविड-19 के दिशा निर्देश का पालन करते हुए धरना प्रदर्शन करते हुए किसानों की विभिनन मांगों का ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति महोदय भारत सरकार को सम्बोधित द्वारा उप जिलाधिकारी फुलपुर को सौपा गया धरने को सम्बोधित करते हुए मुख्य वक्ता ऐक्टू राष्ट्रीय सचिव डॉ कमल उसरी ने कहा किसान मजदूर मिलकर ही इस मजदूर विरोधी, किसान विरोधी, रोजगार विरोधी, गरीब नौजवान विरोधी तानाशाही निज़ाम को झुका सकते है, मैलहन झील और वरुणा नदी के बाढ़ से हजारों एकड़ जमीन हर वर्ष पानी में पुरी तरह से डूब जाती है, बाढ़ से सैकड़ों गाँव के किसानों की फसल और पालतू जानवरों सहित लाखों का नुकसान होता है, दशकों पहले किसानों के बड़े आंदोलन के बाद मैलहन झील की सफाई और वरुणा नदी की खोदाई की गई थी जिससे किसानों को राहत मिली थी, लेकिन अब मैलहन झील और वरुणा नदी पुनः उसी स्थिति में पहुंच गई हैं इसलिए हम सब मांग करते है कि मैलहन झील की सफाई, वरुणा नदी की गहराई से खुदाई की जाय धरने की अध्यक्षता करते हुए अखिल भारतीय किसान महासभा के जिला संयोजक कॉम सुभाष पटेल ने कहा कि किसानों ने तीनों काले कृषि कानून के खिलाफ सैकड़ों किसानों की शहादत देते हुए 13 महीने के ऐतिहासिक आंदोलन के बाद उसे वापस कराया, सरकार ने कृषि कानून वापस करते हुए एम एस पी गारंटी कानून बनाने के लिए कमेटी बनाने का वादा किया था, आंदोलन के दौरान दर्ज सभी फ़र्जी मुकदमे वापस लेने का वादा किया था, लेकिन केंद्र सरकार किसानों के साथ धोखाधड़ी कर रही है, लतीफपुर माइनर नहर सन 1988 में अधीकृत की गई जमीन का अभी तक़ 2022 में भी मुआवजा नहीं दिया गया है, सरकार यदि किसानों के ज्वलंत मुद्दों को वरीयता देकर हल नहीं करेंगी तो किसान बड़े आंदोलन करने को बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होंगी धरने में मुख्य रूप से राम लखन सरोज, इफको फुलपुर ठेका मजदूर संघ मंत्री कॉम त्रिलोकी पटेल, सुभाष चंद्र भारतीय, श्रीमती निर्मला देवी, राकेश पाल एडवो नरेंद्र प्रताप यादव, एडवो अशरफ़ इत्यादि लोग उपस्थित रहे, धरने का संचालन कॉम डॉ ध्यान चन्द्र पटेल ने किया।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रर्मो की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
3.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
4.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
5.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
6.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
7.	सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
8.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभिन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्र:** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रिया:** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयु:** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करे:** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
   नोट: आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पास:** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्ति:** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः 30 जून 2022 है।
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपलबध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्रः– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 9415608790

अफवाह फैलाने वालों पर पैनी नजर, होगी सख्त कार्रवाई

आजमगढ़। जुमा की नमाज के ष्टिगत गुरुवार की शाम थानों पर शांति समिति की बैठक हुई। पुलिस ने धर्म गुरुओं को शांति का पाठ पढ़ाया। कहा कि अफवाह फैलाने व शांति भंग करने वालों पर पैनी नजर है। उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बाजारों में जाकर पुलिस अधिकारियों ने व्यापारियों से वार्ता कर सुरक्षा का भरोसा दिया। सरायमीरः सरायमीर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक क्षेत्राधिकारी फूलपुर गोपाल स्वरूप बाजपेयी की अध्यक्षता में हुई । अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को शुक्रवार को नमाज के बाद किसी भी प्रकार के जुलूस अथवा प्रदर्शन न करने की हिदायत दी गई। थाना प्रभारी विवेक कुमार पांडेय ने कहा अफवाह पर ध्यान न दें। ऐसा करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मौलाना अफजल ने इंटरनेट मीडिया पर फर्जी वायरल मैसेज से होशियार रहने की अपील की। नफीस सिद्दीकी, मौलाना अफजल आजमी, शाहिद, महमूदुल हसन प्रधान, असलम सभासद, पप्पू पेजर, राम कुमार सोनी, राहुल प्रजापति, मोहम्मद फैसल, कलीम अहमद आदि मौजूद थे। फूलपुरः कोतवाली परिसर में एसडीएम ज्ञानचंद्र गुप्त और सीओ गोपाल स्वरूप ने शांति समिति की बैठक की। इसमें सौहार्द व शांति का पाठ पढ़ाया गया। अधिकारियों ने कस्बे में जाकर व्यापारी व संभ्रांत लोगों से बातचीत की। सीसीटीवी कैमरे सही रखने की नसीहत दी। रौनापारः प्रभारी निरीक्षक यादवेंद्र पांडेय ने जीयनपुर व्यापारियों से डोर टू डोर मिलकर शांति से जुमे की नमाज अता करने की अपील की। कहा कि त्योहार पर आपसी भाईचारा और सौहार्द बनाए रखें। व्यापारी मिस्टर खान, जुल्फिकार अहमद, गुलाम मोहम्मद, मनीष चौरसिया, मनोज कुमार जायसवाल, ज्ञानेंद्र मिश्र, संतोष कुमार चौरसिया, नीलू श्रीवास्तव, निहाल मेहंदी ने सौहार्द पूर्ण वातावरण में जुमा की नमाज संपन्न कराने का भरोसा दिया।

भाजपा के सभी पिछड़े व दलित नेताओं पर मैं भारीः ओमप्रकाश

आजमगढ़ । सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहाकि भाजपा विधानसभा चुनाव में 273 सीटें जीतकर आई, लेकिन उनमें जितने भी पिछड़े और दलित नेता जीतकर आए हैं, मैं उन सबपर भारी हूं। ओमप्रकाश राजभर शहर के गोल्डेन फार्चून होटल में पार्टी कार्यकर्ताओं संग मीटिंग करने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि सुभासपा पूरी तन्मयता के साथ उपचुनाव में सपा के साथ है। बातचीत के दौरान एमएलसी चुनाव में पार्टी का प्रतिनिधित्व न होने के सवाल पर शायराना अंदाज में बोले कि मांगो उसी से जो दे दे खुशी से । वह मुस्कुरा तो जरूर रहे थे, लेकिन उनकी जुबां उनका ठीक से साथ नहीं दे पा रही थी। बैठक के दौरान ही उपचुनाव में सपा के प्रत्याशी एवं पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव पहुंचे तो ओमप्रकाश राजभर ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उनमें ऊर्जा भी भरी कि आजमगढ़ में पूरी रफ्तार से दौड़ लगा साइकिल दिल्ली पहुंचेगी। एक सवाल के जवाब में डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश करते हुए कहा कि महान दल के साथी नाराज हैं, लेकिन फिर आ जाएंगे। खुद को नजरंदाज किए जाने पर यह भी कहा कि एमएलसी के लिए 31 विधायक चाहिए, जबकि सुभासपा के पास छह विधायक हैं। सुभासपा खुद को कर बुलंद इतना कि खुदा खुद बंदे से पूछे कि बता तेरी रजा क्या है, की राह पर बढ़ते हुए काम कर रहे हैं। दम भी भरते रहे कि हमें कोई जरूरत नहीं है। हमारे कार्यकर्ता बारूद हैं। जरूरी नहीं कि एमएलसी बनकर ही लड़ेंगे। इनमें इतनी उर्जा है कि ये आसमान को भी झुकाने की हैसियत रखते हैं।

सरवरपुर में चली मैराथन जांच प्रक्रिया

खानपुर (गाजीपुर) । सैदपुर ब्लाक के सरवरपुर गांव में जिला उद्योग अधिकारी अजय कुमार गुप्ता ने ग्राम पंचायत में मनरेगा के कार्यों की जांच तीन दिन तक की। गांव के अधिवक्ता शिवकुमार यादव ने ग्राम प्रधान उर्मिला देवी द्वारा कराए गए करीब 54 कार्यो पर आपत्ति दर्ज कराई थी। गांव के दो दर्जन लोगों ने भी शपथपत्र देकर कई कार्यों में शिथिलता बरतने की शिकायत की थी। जिलाधिकारी के आदेश पर जिला उद्योग अधिकारी अजय गुप्ता ने रविवार, सोमवार और गुरुवार को तीन दिनों में सूचीबद्ध एक एक कार्यों का भौतिक सत्यापन किया। ग्रामीणों और प्रत्यक्षदर्शियों का लिखित बयान दर्ज किया। शिकायतकर्ता शिवकुमार यादव ने कहा कि जिन ग्रामीणों के जनहित की लड़ाई मैं लड़ रहा हूं वहीं गांववाले हमारा साथ नहीं दे रहे हैं। ग्राम प्रधान उर्मिला देवी ने कहा कि विपक्षी हमेशा जनहित के कार्यों में व्यवधान पैदा करते हैं और जांच के नाम पर कार्यो में रोड़ा अटकाते हैं। जांच अधिकारी अजय गुप्ता ने कहा कि जांच प्रक्रिया में सभी बिदुओं पर सघनता से जांच की। अंतिम रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेज दी जाएगी। जांच अधिकारी ने बताया कि लगभग सभी कार्य पूर्ण पाए गए हैं।

अनामिका सिंह को मंडल प्रभारी की मिली जिम्मेदारी

आजमगढ़। एंटी करप्शन कोर आफ इंडिया की मंडलीय (महिला प्रकोष्ठ) बैठक गुरुवार को हरबंशपुर स्थित पालीवाल होटल के सभागार में हुई। जिसमें सर्वसम्मत से पदाधिकारियों का चयन किया गया। अनामिका सिंह पालीवाल महिला प्रकोष्ठ की मंडल प्रभारी, अनीता द्विवेदी उपाध्यक्ष, अनीता सिंह महामंत्री, सोनी अग्रवाल मंत्री, पूनम श्रीवास्तव, कुसुम मिश्रा, सीमा अग्रवाल, कामिनी सिंह व पूनम सिंह संयोजक और सीमा सिंह व आरती गिरी सदस्य मनोनीत की गई। मुख्य अतिथि डा. छाया सिंह ने कहा कि अन्याय, अत्याचार ,अपराध व भ्रष्टाचार समाप्त करने के लिए महिलाओं को अग्रसर होना होगा। मुख्य अभियंता विद्युत वितरण मंडल अनिल नारायण सिंह, प्रभु नारायण पांडेय, राष्ट्रीय महासचिव संजय पांडेय आदि थे।

आसमान से बरस रही आग में झुलस गया गया जनमानस

आजमगढ़। एक सप्ताह से पड़ रही प्रचंड गर्मी से लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। आसमान से आग बरस रहीं है। गर्म हवा के थपेड़ों से जनमानस परेशान है। राहत के लिए कोई उपाय नहीं सूझ रहा है। अनयमित बिजली कटौती ने समस्या को और भी बढ़ा दिया है। कभी-कभी तो पानी का भी संकट उत्पन्न हो जा रहा है सुबह के सात बजते ही सूर्य की किरणें अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर देती हैं, जिसके चलते घर से निकलना मुश्किल हो जा रहा है। लगातार कई दिनों से तापमान 40 डिग्री पार होने से धरती आग उगलने लगी है। दोपहर में शहर की सड़कें सूनी हो जा रही हैं। लोग पेड़ की छांव के नीचे जाकर राहत महसूस कर रहे हैं, लेकिन शहरी क्षेत्र में वह भी नहीं है। बिजली की अनियमित कटौती से खासकर घर के अंदर महिलाएं व बच्चे पूरी तरह से बेचैन हो जा रहे हैं। आपूर्ति शुरू होने पर एसी व कूलर भी राहत नहीं दे पा रहे हैं। दिन तो दिन रात को भी चैन नहीं मिल पा रहा है। दोपहर में गर्म हवाओं के कारण कदम भी चलना मुश्किल हो जा रहा है। लोग गमछा व टोपी लेकर घर से निकल रहे हैं। गुरुवार को अधिकतम तापमान 42 डिग्री व न्यूनतम 29 डिग्री सेल्सियस रहा। सबसे अधिक परेशानी मजदूर वर्ग को हो रही है। इधर जैसे-जैसे गर्मी बढ़ रही है, वैसे-वैसे जलस्तर भी नीचे जा रहा है। किसानों के सामने इस समय धान की नर्सरी बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। 'किसान धान की नर्सरी को बचाने के लिए प्रतिदिन शाम को सिचाई करें। पानी उतना ही डालें जो सुबह तक सूख जाए। झुलसा रोग से नर्सरी को बचाने के लिए दवाओं का छिड़काव अवश्य करें।' -रुद्र प्रताप सिंह, विज्ञानी, कृषि विज्ञान केंद्र, कोटवा। 'भीषण गर्मी में पानी का अधिक प्रयोग करें। धूप में निकलने से बचें। ठोस आहार की जगह तरल पेय पदार्थ जैसे नींबू पानी, शर्बत, फलों का रस, छाछ, लस्सी का अधिक से अधिक सेवन करें।'

नदियों के गर्भ में असल रोग किनारों का करते उपचार...

बलिया । गंगा और सरयू की कटान से गांव की आबादी को बचाने के लिए हर साल सरकार के करोड़ों रुपये खर्च हो जाते हैं, फिर भी तबाही या तटवर्ती लोगों की बर्बादी नहीं रुकती। तटवर्ती लोग मानते हैं कि नदियों के गर्भ में असल रोग है, लेकिन विभाग करोड़ों खर्च कर किनारों का ही वर्षों से उपचार करते आ रहा हैं। नदियों का बहाव अब कहीं भी पूर्व वाले स्थान पर नहीं है। एक दशक पूर्व नदी जहां बहती थी, वहां जगह-जगह रेत के बड़े टीले उभर आए हैं। तटवर्ती लोगों में हरेकृष्णा सिंह, नंदजी सिंह सहित कई लोगों का मानना है कि विभाग यदि नदी का पेटा ही ड्रेजिंग करके साफ कर दे तो इससे नदियों का बहाव पुराने स्थानों पर हो सकता है। आबादी भी सुरक्षित हो जाएगी। गंगा और सरयू के कटान से आबादी को बचाने के लिए पांच साल के अंदर जिले में लगभग 500 करोड़ खर्च हो गए, इस साल भी 19 परियोजनाओं पर 111 करोड़ से कटानरोधी कार्य हो रहा है। 50 फीसद कार्य हुआ है। शासन से 15 जून तक कार्य पूरा करने को कहा गया था, लेकिन मौके पर श्रमिकों और अन्य कई तरह की दिक्कतों के चलते कार्य निर्धारित तिथि तक कार्य पूरा होना संभव नहीं लग रहा है। धन खर्च के बाद भी कटान से जिले में हर साल बड़ी क्षति होती है। दूबे छपरा रिग बांध पहली बार 27 अगस्त 2016 को टूटा था। उसके बाद 29 करोड़ का कटानरोधी कार्य हुआ। वहीं रिग बंधा 16 सितंबर 2019 को दोबारा टूटा। अब बंधा बनाने की जगह 30 करोड़ की लागत से दो साल से ड्रेजिंग कार्य हो रहा है। वहीं रामगढ़ से दूबेछपरा तक 40 करोड़ रुपये से कटानरोधी कार्य है। एनएच-31 को भी कटान से बचाने की चुनौती है। जयप्रकाशनगर के बीएसटी बंधा, रेवती के टीएस बंधा और बेल्थरारोड में रिग बंधों पर भी खतरा है। चलता रहा उजड़ने और बसने का सिलसिला सरयू के कटान से सबसे बड़ी तबाही वर्ष 2014 में इब्राहिमाबाद नौबरार में हुई थी। वहां किसानों के लगभग 400 एकड़ भूमि के साथ ही गांव के 350 मकान नदी में समा गए थे। उसी दरम्यान गंगा से रामगढ़, दूबे छपरा, लालगंज आदि क्षेत्र में लगभग 500 मकान नदी में समाहित हो गए। कटानरोधी कार्य सुरक्षित लेवल से ऊपर हो चुके हैं। सभी परियोजनाओं पर कार्य की मानीटरिंग हो रही है। अब पानी बढ़ने पर भी कार्य प्रभावित नहीं होगा। संजय कुमार मिश्र, अधिशासी अभियंता, सिचाई विभाग, बाढ़ खंड।

सीएम योगी से मिले कांस्य पदक विजेता हाकी खिलाड़ी

सैदपुर (गाजीपुर) । इंडोनेशिया के जकार्ता में आयोजित एशिया कप हाकी में कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम के सदस्य पवन राजभर, उत्तम सिंह व राजकुमार पाल ने बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ स्थित आवास पर मुलाकात की। सीएम ने खिलाड़ियों को खेल से संबंधित हर प्रकार की सुविधा देने का भरोसा दिया। कांस्य पदक विजेता खिलाड़ी पवन राजभर, उत्तम सिंह व राजकुमार पाल को साथ लेकर मेंघबरन सिंह स्टेडियम करमपुर के संचालक अनिकेत सिंह लखनऊ पहुंचे और सीएम योगी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने एक-एक कर सभी खिलाड़ियों से बात की। उत्तम सिंह ने मुख्यमंत्री को बताया कि उक्त प्रतियोगिता में मुझे राइजिग प्लेयर आफ द टूर्नामेंट का अवार्ड मिला था। जानकारी दी कि जूनियर विश्वकप खेलने के बाद पीएम नरेन्द्र मोदी से भी एक बार मिल चुका हूं। इतना सुनते ही मुख्यमंत्री ने कहा कि वहां मैं भी था। पवन राजभर ने बताया कि एशिया कप हाकी में दो मैचों में मुझे मैन आफ द मैच का पुरस्कार मिला था। राजकुमार पाल ने मुख्यमंत्री से कहा कि तीसरे स्थान के लिए जापान से हुए मुकाबले में इकलौता गोल मारकर मैंने अपनी टीम को जीत दिलाई थी। अनिकेत सिंह ने स्मृति चिह्न के रूप में राम दरबार मुख्यमंत्री को भेंट किया। बताया कि इस समय मेंघबरन सिंह स्टेडियम करमपुर के छह खिलाड़ी सब जूनियर इंडियन टीम, चार खिलाड़ी जूनियर इंडियन टीम व पांच खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम का हिस्सा हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से करमपुर स्टेडियम में व्यक्तिगत स्तर पर उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री से कहा कि करमपुर स्टेडिमय के एकेडमी को हाकी इंडिया में रजिस्टर्ड कराया जाए तो खिलाड़ियों के लिए और अच्छा हो जाएगा। आग्रह किया कि जब-जब हमारे स्टेडियम के खिलाड़ी देश या प्रदेश के लिए अच्छा प्रदर्शन करेंगे, तब आपका का आशीर्वाद मिलेगा तो खिलाड़ियों में नई ऊर्जा का संचार होगा।

गोरखपुर में बोले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, पीएम मोदी ने दिखाया कैसी होती है जिम्मेदार सरकार

गोरखपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा है कि केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी की सरकार बनने से पहले देश मे राजनीति का संस्कार भ्रष्टाचार, वंशवाद, संप्रदायवाद और परिवारवाद पर आधारित था। मोदी ने अपने कुशल नेतृत्व में विकासवादी राजनीति कर इस संस्कार को बदल दिया उन्होंने कहा कि मोदी सरकार केवल बिल्डिंग विकास को ही विकासवाद नहीं मानती। वह जनता का विकास भी चाहती है। यही एक जिम्मेदार सरकार की खूबी होती है, जो मोदी सरकार ने करके दिखाया है। नड्डा शुक्रवार को गोरखपुर के रानीडीहा में भाजपा के नए क्षेत्रीय कार्यालय और प्रदेश के साथ जिला कार्यालयों के लोकार्पण के बाद आयोजित गरीब जन कल्याण जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र में मोदी और प्रदेश में योगी सरकार ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को चलाकर और उससे पूरी जिम्मेदारी से जनता को जोड़कर जवाबदेही वाली सरकार होने का प्रमाण दिया। इस क्रम में उन्होंने वह कल्याणकारी योजनाएं गिनाईं, जो केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही हैं। योजनाओं का लाभ गिनाया नड्डा ने उन योजनाओं से जनता को मिलने वाले लाभ का आंकड़ा भी प्रस्तुत किया। कोरोना संक्रमण काल में मोदी सरकार की नीति की सराहना करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि जनवरी 2020 में यह महामारी देश में आई और जनवरी 2021 में सरकार के प्रयास से जनता को 2-2 वैक्सीन मिल गई। ऐसा एक जिम्मेदार सरकार ही कर सकती है।उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में केवल भारत को ही नहीं बल्कि दुनिया के 100 देशों को कोरोना का वैक्सीन उपलब्ध हो पाई। इन देशों में साढ़े 18 करोड़ से अधिक वैक्सीन की डोज भारत सरकार की ओर से भेजा गई। 48 देशों को तो यह वैक्सीन मुफ्त दी गई। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व का ही नतीजा है कि भारत अब मांगने वाला नहीं बल्कि देने वाला देश बन चुका है। यूक्रेन ने फंसे भारतीयों को पूरी सुरक्षा के साथ भारत पहुंचाने की चर्चा भी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विशेष प्रयास से ही यूक्रेन में फंसे 23 भारतीय बच्चे सुरक्षित अपने देश वापस लौट सके। यही नहीं दूसरे देशों के बच्चों ने भी भारत के तिरंगे की आड़ लेकर अपने देश पहुंचना सुनिश्चित किया। नड्डा ने बताया कि मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार को गरीबी को 10ज्ञ् कम करने में सफलता मिल सकी है। पहले गरीबी का प्रतिशत 22 था अब घटकर 12 रह गया है। ऐसा सरकार की गरीब कल्याण योजनाओं के चलते ही संभव हो सका है।

जुमा व भारत बंद को देखते हुए सड़क पर उतरी खाकी

आजमगढ़। इंटरनेट मीडिया पर जुमा के दिन भारत बंद का पोस्टर वायरल होने पर गुरुवार की शाम पुलिस सक्रिय हो गई। शहर से लेकर कस्बों में पुलिस के जवानों ने रूट मार्च कर लोगों से शांति की अपील करने के साथ यह भी संदेश दे दिया कि अगर किसी ने गड़बड़ी की कोशिश भी की, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शहर में पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य, सीओ सिद्धार्थ तोमर, कोतवाल डीके श्रीवास्तव के नेतृत्व में जवानों ने कोतवाली परिसर से निकलकर मातवरगंज, चौक, पुरानी कोतवाली, तकिया होते हुए पहाड़पुर चौराहा आदि व्यस्त बाजारों में रूट मार्च किया। एसपी ने आम जनता से बातचीत करते हुए सुरक्षा का भरोसा दिया। मुबारकपुरः कानपुर की घटना एवं जुमा की नमाज को देखते हुए क्षेत्राधिकारी सौम्या सिंह एवं थानाध्यक्ष योगेंद्र बहादुर सिंह के नेतृत्व कस्बा में रूट मार्च निकाला गया। क्षेत्राधिकारी ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। थानाध्यक्ष योगेंद्र बहादुर सिंह ने कहा शांति भंग करने वाले को बख्शा नहीं जाएगा। फूलपुरः जुमा की नमाज के बाद बंद के आह्वान को देखते हुए पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद दिखी। थाना प्रभारी अनिल सिंह के नेतृत्व में जवानों ने रूट मार्च किया। थाना परिसर से निकलकर स्टेशन चौराहा, माहुल मोड़, पशु अस्पताल चौराहा, शबाना मार्ट, मिर्चा मंडी रोड, शंकर जी तिराहा, ताज कटरा, मुड़ियार, रोडवेज आदि मार्गों पर भ्रमण किया। थाना प्रभारी ने लोगों से अपील की कि किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। किसी तरह की शंका होने पर पुलिस को तत्काल सूचित करें। बाजार में अनावश्यक घूम रहे लोगों से पूछताछ भी किया।

ऑटो की जाम वा पार्किंग की समस्या का समाधान जुटी सीतापुर नगर पालिका परिषद

(आधुनिक समाचार सेवा)
आशीष त्रिवेदी

सीतापुर। में लगभग सभी मार्गीं पर ऑटो रिक्शा की जाम एवं जगह-जगह निजी वाहनों की पार्किंग से जनता को बहुत समस्या हो रही है उसी की समस्या को देखते हुए सीतापुर नगर पालिका की ईओ वैभव त्रिपाठी ने तैयार किया सीतापुर पार्किंग का नया ढांचा लालबाग चौराहे के पास बनाई पार्किंग जहां लगभग 200 से 300 गाडि़यां खड़ी करने की व्यवस्था है,कचहरी रोड पर बनाए जाएंगे नो पार्किंग जोन बस स्टैंड में जाम की समस्या से छुटकारा पाने के लिए सेठी हॉस्पिटल के सामने ऑटो रिक्शा स्टैंड बनाई व्यवस्था साथ ही एप्पल होटल के सामने ऑटो एंड टेंपो पार्किंग व्यवस्था बनाकर वहां वाटर कूलर आदि की सुविधा प्रदान करने की व्यवस्था बना रहे हैं सीतापुर नगर पालिका परिषद साथ ही पटरी दुकानदारों को स्थापित करने के लिए कैंची पुल के पास पड़ी नगर पालिका की जमीन को सुव्यवस्थित करके वहां दुकानदारों को स्थापित करने की तैयारी में है सीतापुर नगर पालिका परिषद यह जानकारी सीतापुर नगर पालिका के ईओ वैभव त्रिपाठी ने दी।

100ग्राम गांजा एवं 132शीशीअग्रेजी शराब के साथ दो अभियुक्तो कि हुई गिरफ्तारी......

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। पुलिस उप महानिरीक्षक पुलिस अधीक्षक के दिशानिर्देश अनुसार जनपद में अपराध एवं अपराधियों के नियंत्रण हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना बभनी पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्तियों की चेंकिग के दौरान मुखबिर की सूचना पर ग्राम इकदिरी सीमान्तर्गत वाराणसी अम्बिकापुर मार्ग के किनारे पर बनारस ढाबा के पास स्थित घर एवं दुकान से दो अभियुक्तगण क्रमशः 1. लक्ष्मीनारायण गुप्ता पुत्र स्व0 हरिशंकर गुप्ता निवासी इकदिरी थाना बभनी जनपद सोनभद्र 2. विजय बहादुर गुप्ता पुत्र स्व0 हरिशंकर गुप्ता निवासी इकदिरी

थाना बभनी जनपद सोनभद्र के कब्जे से 2 किग्रा 100 ग्राम अबैध गाजा एवं मध्य प्रदेश में बिक्री हेतु निर्गत 132 शीशी अंग्रेजी शराब बरामद कर गिरफ्तार किया गया। उक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के सम्बन्ध में थाना बभनी पर मु0अ0सं0-68/2022 धारा 8/20 व मु0अ0सं0-69/2022 धारा 60/63 आबकारी अधिनियम का अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्तगण उपरोक्त को माननीय न्यायालय भेजा गया।

बरामदगी का विवरण- 1. एक अदद झोले में 2.100 किग्रा गाजा 2. एक बोरी में 56 सीसी(56□180स्त् इम्पीरियल ब्लू अंग्रेजी शराब मध्य प्रदेश में बिक्री हेतु निर्गत) 3. एक बोरी में 76 सीसी(76□180स्त् गोवा विस्की अंग्रेजी शराब मध्य प्रदेश में बिक्री हेतु निर्गत)

अभियुक्तगण का विवरण- 1. लक्ष्मीनारायण गुप्ता पुत्र स्व0 हरिशंकर गुप्ता निवासी इकदिरी, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र। 2. विजय बहादुर गुप्ता पुत्र स्व0 हरिशंकर गुप्ता निवासी इकदिरी, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र।

गिरफ्तारी व बरामदगी करने वाली टीम- 1. उ0नि0 सतीश चन्द्र सिंह, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र। 2. हे0का0 भरत यादव, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र। 3. हे0का0 अक्षय कुमार यादव, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र। 4. हे0का0 भैयाला यादव थाना बभनी, जनपद सोनभद्र। 5. का0 शिवम सिंह, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र। 6. का0 आशुतोष शुक्ला, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र।
7. का0 बृजेश कुमार, थाना बभनी, जनपद सोनभद्र।

82 सीआरपीसी आदेश के क्रम में अभियुक्तों के घर पर पुलिस ने चस्पा किया नोटिस

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला सोनभद्र। स्थानीय चोपन थाना क्षेत्र के तेलगुडवा में 82 सीआरपीसी आदेश के क्रम में चोपन पुलिस व डाला पुलिस के द्वारा फरार पासवान पुत्र सत्यनरायन पासवान समस्त निवासी कोटा तेलगुडवा थाना चोपन की गिरफ्तारी न होने की दशा में मा0 न्यायालय से 01 जून 2022 को नियमानुसार धारा -82 सीआरपीसी के तहत कार्यवाही

चल रहे अभियुक्तों के घर पर चस्पा किया नोटिस बिते 10 मार्च 2022 को दो पक्षों में हुई मारपीट के मामले में मंगलवार शाम छः बजे के करीब मु0अ0सं0- 63/2022 चोपन थाना पर पंजीकृत धारा - 147 148 307 323 504 325 भादवि व 3(2)5 एससी / एसटी एक्ट में रविन्द्र जायसवाल पुत्र गंगा प्रसाद, सोनू अग्रहरी पुत्र राजू अग्रहरी, मिट्ठू अग्रहरी पुत्र राजू अग्रहरी, दीपक पासवान पुत्र मनोज पासवान- संजीव उर्फ पिंकू पासवान पुत्र मनोज पासवान - ओंकार किया गया जिसके उपरांत छःओ अभियुक्तों के घर घर जाकर पुलिस डुगडुगी बजवाते हुए घर परिजनों के मौजूदगी में दिवारो पर नोटिस चस्पा किया गया और यह निर्देश दिए गए की जल्द से जल्द अभियुक्तों को न्यायालय में हाजिर नहीं हुए तो अगले क्रम की कार्रवाई भी कि जायेगी इस दौरान तेलगुडवा बिट प्रभारी त्रिभुवन राय महिला का0 रौनक तारा हे0का0 शांहशाह का0 अविनाश कुमार डाला चौकी इंचार्ज मनोज कुमार ठाकुर अपने समस्त स्टाफ के साथ सामिल रहें।

एक अभियुक्त कि हुई गिरफ्तारी दो हुए फरार.....

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। न्यूकालोनी में कुछ दिन पहले पुरानी रंजिश में हुई मारपीट के पश्चात मृत्यु हो जाने पर शुभम चौबे सन ऑफ विवेकानंद चौबे जीन तीन लोगों के उपर मुकदमा दर्ज हुआ था तीन अभियुक्तो में से एक अभियुक्त ओमप्रकाश सिंह पुत्र विनोद कुमार सिंह निवासी अम्बेडकर नगर थाना राबर्ट्सगंज को एक अदद आलाकत्ल बांस का डण्डे के साथ गिरफ्तार कर लिया गय दो अभियुक्त का अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है फरार है

गिरफ्तारी करने वाले पुलिस टीम इस प्रकार है प्र0नि0दिनेश प्रकाश पाण्डेय व0उ0मो0ऐश खां उ0नि0सजय सिंह चौकी कस्बा का0कौशलेश सिंह का0अजीत यादव अजय मौर्या सत्यम पान्डेय बढ़।

नगरपालिका द्वारा शिकायत करने पर भी नहीं हुई को कार्रवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। कल रात लम्सम आठ बजे चन्डी तीराहे में खुली नाली होने के

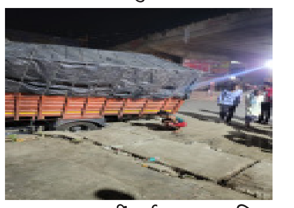

कारण माल लदीं हुई ट्रक का पहिया खुली नाली में जाकर फस गया दो लोग बाल बाल बचे साथ ही बगल कि दुकान का पिलर टुटते बचा जबकि इसके पहले भी उसी जगह लम्सम 20दिन पहले अचानक दो बच्चे भी गिर गये थे लोग कि नज़र पड़ जाने के कारण बच्चों को बचा लिया गया इसकी सुचना नगरपालिका के इओ को सुचना भी मेरे द्वारा दी गई थी कि उस जगह पटीया लगवाने के लिए ताकि को एसी घटना न घटे कोई भी ध्यान नहीं दिया गया और जिसका नतीजा कल रात वापस उसी खुली नाली में रात्रि में ट्रक फस गई।

श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर पर विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर किया गया वृक्षारोपण

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला सोनभद्र। नगर के प्राचीन मंदिर श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर के प्रांगण में विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर वृक्षारोपण का आयोजन किया गया , इस अवसर पर विविध प्रकार के फलदार एवम छायादार पौधे लगाए गए। पर्यावरण जीवन की दृष्टि में मानव के लिए सर्वोच्च जरुरत है। जल, जंगल और जमीन तीनों उसके मुख्य आधार हैं। इन तीनों आधारों को प्रदूषण ने लील लिया है। बढ़ते विकास में जिस प्रकार प्राकृतिक नियमों को अनदेखा किया जा रहा है उससे पर्यावरण को धीरे धीरे खत्म होने में असल सहायक है। देश की आबादी का बड़ा हिस्सा स्वच्छ व सुरक्षित पानी, शौचालय और शुद्ध हवा जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से भी वंचित है। पर्यावरण पूरी तरह प्रदूषित हो चुका है। इस दिशा में समाज और सरकार को स्वच्छता और वृक्षारोपण को एक जनान्दोलन बनाने की तरफ सोचना होगा, जिसके लिए समाज की सहभागिता होना पहली और आवश्यक शर्त है। इस अवसर पर सर्वप्रथम श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर के संस्थापक महंत मुरली तिवारी एवम डाला चौकी प्रभारी मनोज ठाकुर ने स्वयं एक एक वृक्ष लगाकर कार्यक्रम को हरी झंडी दी , चौकी प्रभारी ने सभी नव युवाओं को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि सभी युवा एक एक वृक्ष जरूर लगाएं , केवल वृक्ष ही लगाना बड़ी बाती नही उसकी देखभाल भी उतना ही आवश्यक है , यदि हम अपना आज सवारेंगे तो कल खुद ब खुद सवर जाएगा। ईस मौके पर मंदिर के संरक्षक पंडित ओम प्रकाश तिवारी , जया तिवारी , आशीष अग्रहरी , चंद्रावती तिवारी , संजय सिंह , निति ,प्रमोद कुमार ,हिमांशु ,शुभम त्रिपाठी , संजय, सिंह आकाश ,विकाश ,अंशु पटेल ,अनिकेत श्रीवास्तव , वृक्षारोपण का कार्यक्रम कुमार मंगलम तिवारी यदि लोग मौजूद रहे।

भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत कार्यक्रम को लेकर जुटे कार्यकर्ता

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

ओबरा सोनभद्र। भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष विशाल

पांडे के नेतृत्व में गांधी मैदान में होने वाले कार्यक्रम को लेकर कार्यकर्ताओं ने बुधवार को सभा स्थल का निरीक्षण किया। भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह ने बताया कि मोदी सरकार के 8 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में शासन की मंशा अनुसार प्रत्येक जनपदों में विकास तीर्थ स्थलों पर उद्योग पखवाड़े के अंतर्गत कार्यक्रमों का आयोजन युवा मोर्चा द्वारा किया जा रहा है इसी क्रम में ओबरा में 1320 मेगा वाट की निर्माणाधीन प्लांट सी परियोजना को विकास तीर्थ स्थल के रूप में सम्मिलित करते हुए आम सभा कर भारतीय जनता पार्टी के विकास कार्यों पर विस्तृत चर्चा की जानी सुनिश्चित है जिसमें भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य प्रांशुदत्त द्विवेदी का आगमन बृहस्पतिवार को ओबरा मंडल में सुबह 10 बजे शारदा मंदिर चौराहे पर स्वागत कार्यक्रम उपरांत गांधी मैदान परिसर में होना सुनिश्चित है। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी ओबरा मंडल के अध्यक्ष अरविंद सोनी, महामंत्री समीर माली, उपाध्यक्ष अभिषेक सेठ, उपाध्यक्ष अनुराग श्रीवास्तव, मंत्री विक्रम सिंह, सोशल मीडिया प्रमुख प्रशांत सोनी मौजूद रहे। अतः सभी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बंधुओं से अनुरोध है कि कार्यक्रम मे ससमय उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। निवेदक भारतीय जनता युवा मोर्चा ओबरा सोनभद्र।

गौरही पुलिया के पास डोंगिया बांध में डूबने से युवक की हुई मौत

आधुनिक समाचार
विशाल मौर्य

मधुपुर (सोनभद्र)। जनपद सोनभद्र के रावट्र्सगंज कोतवाली अंतर्गत सुकृत पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम सभा गौरहीं के पास डोंगिया बांध पर बने पुल के पास डूबने से युवक की मौत हो गई। आपको बताते चलें कि संतू यादव पुत्र दमड़ी यादव उम्र 47 वर्ष निवासी ग्राम सभा लोहरा 04 जून 2022 की दोपहर लगभग 12 बजे डोंगिया बांध पर बने पुल के पास अपनी भैंसों को नहलाने ले गए थे जहां पानी में डूबने से उनकी मृत्यु हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना के बाद डायल 112 और सुकृत पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों ने पानी में गोता लगाकर शव को बाहर निकाला। सुकृत पुलिस चौकी की टीम के द्वारा ग्राम सभा लोहरा प्रधान प्रतिनिधि सुरेश बाबू और ग्राम सभा गौरही कौशल कुमार की उपस्थिति में पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल लोढी भेज दिया गया।

तीन लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने का आदेश.................

सीजेएम ने किया राबट्र्सगंज कोतवाल से एक सप्ताह में आख्या तलब

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। विद्यालय की 15 वर्षों के लिए राज्यपाल के पक्ष में बंधक रखी जमीन का कूट रचित दस्तावेज तैयार कर बैनामा कराए जाने के मामले में सीजेएम सूरज मिश्रा की

अदालत ने तीन लोगों अखिलेश, मनीष कुमार व विकास के विरुद्ध राबट्र्सगंज कोतवाल को एफआईआर दर्ज कर विधि अनुरूप विवेचना का आदेश दिया है। साथ ही एक सप्ताह में राबट्र्सगंज कोतवाल से आख्या तलब किया है। उक्त कार्रवाई रीता देवी पतनी रविन्द्र कुमार निवासिनी कोन, थाना कोन, जिला सोनभद्र की ओर से अधिवक्ता सत्यारमण त्रिपाठी के जरिए दाखिल धारा 156(3) सीआरपीसी के प्रार्थना पत्र पर की गई है। दिए प्रार्थना पत्र में रीता देवी ने अवगत कराया है कि वह स्वर्गीय श्री बैजनाथ प्रसाद गुप्ता शिक्षण समिति कोन की संस्थापक/प्रबंधक है। जैमोहरा गांव में शिक्षण समिति द्वारा जमीन क्रय करके उक्त भूमि पर चहारदीवारी एवं भवन का निर्माण कराया गया है। तथा पार्वती बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जैमोहरा स्थापित किया गया है। उक्त भूमि शासन के आदेश के अनुक्रम में शिक्षण समिति द्वारा 9 अप्रैल 2010 को महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश के पक्ष में जिला विद्यालय निरीक्षक सोनभद्र द्वारा 15 वर्षो के लिए पंजीकृत बंधक पत्र निष्पादित करते हुए बंधक किया गया है। बावजूद इसके अखिलेश पुत्र छोटेलाल निवासी तेनुआ, थाना रायपुर, जिला सोनभद्र अपने को उक्त शिक्षण संस्थान का प्रबंधक बताते हुए मनीष कुमार पुत्र लालजी निवासी करही, थाना रायपुर, जिला सोनभद्र व विकास पुत्र ज्ञानदेव निवासी सहिजन खुर्द, थाना राबट्र्सगंज, जिला सोनभद्र तीनों लोग मिलकर उक्त भूमि व भवन को छल व कपट पूर्वक अपने लाभ के लिए हड़पने के उद्देश्य से कूट रचित दस्तावेज तैयार करके 17 अक्तूबर 2020 को कैमूर मंजरी शिक्षण समिति के पक्ष में बैनामा करा लिया है। इस संदर्भ में राबट्र्सगंज कोतवाली में शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं कि गई। तब एसपी सोनभद्र को रजिस्टर्ड डाक से सूचना दिया फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। न्यायालय ने राबट्र्सगंज कोतवाली व रायपुर थाने से आख्या तलब किया था, लेकिन कहीं भी एफआईआर दर्ज नहीं किया गया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने अधिवक्ता सत्यारामण त्रिपाठी के तर्को को सुनने एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर प्रथम दृष्टया गम्भीर प्रकृति का अपराध मानते हुए राबट्र्सगंज कोतवाल को एफआईआर दर्ज कर विधि अनुरूप विवेचना करने का आदेश दिया। साथ ही एक सप्ताह में कृत कार्यवाही से अवगत कराने को कहा है।

दस रूपए कि छोटी सी उधारी रकम ने लेली युवक कि जान

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

डाला सोनभद्र। अविनाश गुप्ता उर्फ भोनू गुप्ता पुत्र महेन्द्र गुप्ता निवासी डोरिया थाना रायपुर उम्र लगभग 17 वर्ष चाट फुल्की की दुकान लगाता है सायं काल लगभग आठ बजे दिनेश गुप्ता पुत्र विजय गुप्ता उम्र लगभग 20 वर्ष पहुंचकर दस रुपए की चाट फुल्की खाया और रुपए मांगने पर बाद में देने की बात कहकर दूर चला गय बाद में फिर एक साथी के साथ पहुंचकर चाट फुल्की मांगने लगा।अभिनाश ने कहा कि पहले उधारी दे चुका हूं अब नहीं दूंगा बात इतनी बढ़ गई कि दिनेश ने लोहे की वट से अविनाश के सर पर जबरदस्त वार कर दिया जिसकी मौत हो गयी रायपुर थाना प्रभारी निरीक्षक प्रणय प्रसून श्रीवास्तव ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए मर्चरी भेजवाय मुकदमा नम्बर 33/2022 धारा 304,504 दर्ज कर मुल्जिम दिनेश को गिरफ्तार कर लिया गया है

प्रदेश अध्यक्ष का प्रथम आगमन पर भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला सोनभद्र।आज बृहस्पतिवार को डाला वैष्णो मंदिर पर भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य प्रांशु दत्त द्विवेदी का डाला मंडल में प्रथम आगमन पर मां वैष्णो देवी मंदिर पर भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान भाजयुमो के जिला उपाध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह ने सभी कार्यकर्ताओं संग प्रदेश अध्यक्ष का माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। इसके उपरांत प्रदेश अध्यक्ष व विधान परिषद सदस्य प्रांशु दत्त द्विवेदी ने मां वैष्णो देवी का दर्शन पूजन किया। इसके उपरांत प्रदेश

अध्यक्ष प्रांशु दत्त द्विवेदी ने पर्यावरण संरक्षण के मद्देनजर मंदिर परिसर में वृक्षारोपण भी किया। इस दौरान भाजयुमो के प्रदेश महामंत्री देवेंद्र सिंह पटेल काशी क्षेत्र के अध्यक्ष शैलेंद्र मौर्य जी, जिलाध्यक्ष विशाल पाण्डेय,डाला मंडल महामंत्री संदीप सिंह,चोपन मंडल अध्यक्ष सुनील सिंह,किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष महेश सोनी,छात्र संघ के पूर्व महामंत्री अनिकेत श्रीवास्तव,विकास जैन,सदन साहू,अवनीश पांडे,बबलू निषाद,गोविंद भारद्वाज,अजय अग्रहरि, प्रदीप सिंह डब्बू अभय सिंह गोविंद गुप्ता स्थानीय चौकी इंचार्ज मनोज कुमार ठाकुर भी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेला तथा विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण का हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला सोनभद्र। प्रत्येक रविवार की भांति इस रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गुरमुरा में आयोजन हुआ। जिसमें कुल 19 मरीजों का झिंगरखोली,पटिहवा, केमहापान तथा हथवानी के मरीजों ने अपना इलाज कराया। चार लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया। इस आरोग्य मेले में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण का कार्य प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ

स्वास्थ्य परीक्षण हुआ। इस मेले में 8 पुरुष तथा 11 महिलाएं थी। जिन का स्वास्थ्य परीक्षण करके निशुल्क दवा वितरण किया गया। इस स्वास्थ्य मेले का शुभारंभ प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर हरिकांत सिंह के द्वारा किया गया। इस आरोग्य मेले में गुरमुरा, हरिकांत सिंह डॉ हिमांशु तथा डॉक्टर निसात बानो द्वारा किया गया। इस अवसर पर रामनिरंजन सिंह नेत्र परीक्षण अधिकारी, विश्व कांता कुमार सिंह फार्मासिस्ट, प्रीतेश ,सरोज, पशुपतिनाथ उपाध्याय रामप्रवेश सोनी, ए एन एम तथा आशा उपस्थित रहे।

केएल राहुल और इंजरी, 2021 से 5वीं बार चोट के कारण सीरीज से बाहर हुए हैं केएल राहुल

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप से पहले हर टीम के लिए यह बेहद जरूरी है कि वो अपने परफैक्ट इलेवन को तैयार करे। इसके लिए आवश्यक है कि खिलाड़ी अपनी फिटनेस पर ध्यान दे लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज से पहले केएल राहुल का चोट के कारण सीरीज से बाहर हो जाना, केएल राहुल के साथ-साथ टीम इंडिया के लिए भी चिंता का विषय है। दरअसल ऐसा पहली बार नहीं हुआ है जब केएल राहुल को चोट के कारण किसी सीरीज से बाहर बैठना पड़ा हो। मार्च 2021 से लेकर अब तक 5 बार ऐसे मौके आए हैं जब केएल राहुल इंजरी के कारण किसी सीरीज से बाहर हुए हैं।

मार्च 2021 में केएल राहुल हैमस्टिंग में खिंचाव से जूझ रहे थे और सही वक्त पर वापसी करने में नाकामयाब रहे। नतीजा राहुल को श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर बैठना पड़ा। फरवरी 2021 में एक बार फिर हैमस्ट्रिंग- हैमस्ट्रिंग से जूझ रहे राहुल श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में उपलब्ध नहीं थे। नतीजा टीम इंडिया को उनके बिना ही श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में उतरना पड़ा।फरवरी 2021 में एक बार फिर उन्हें लेफ्ट हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज के मौके को गंवाना पड़ा। नवंबर 2021 में थाई स्ट्रेन- थाई स्ट्रेन के कारण केएल राहुल को नवंबर 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर जाना पड़ा। जून 2022 में ग्रोइंग इंजरी- दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज में केएल राहुल को रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में कप्तानी की जिम्मेदारी दी गई थी। उनके पास मौका था कि वो अपनी नेतृत्व क्षमता को निखारें लेकिन दुर्भाग्यवश उन्हें चोट के कारण पूरी सीरीज से बाहर होना पड़ा। हालांकि वो इंग्लैंड दौरे के लिए 16 जून को रवाना होंगे।

व्यक्तिगत खिताब नहीं जीत पाया तो भी मलाल नहीं : प्रणय

नई दिल्ली। इसी हफ्ते जकार्ता में शुरू हुए इंडोनेशिया ओपन से अपना नाम वापस लेने वाले एचएस प्रणय ने कहा कि वह देश के लिए खिताब जीतने को व्यक्तिगत

उपलब्धि से ज्यादा अहम मानते हैं। भारतीय स्टार ने पिछले पांच साल से कोई भी व्यक्तिगत खिताब नहीं जीता है। भारत के स्टार खिलाडियों में शामिल इस खिलाड़ी देश को बड़े टूर्नामेंट में पदक की उम्मीद होती है। पांच साल के व्यक्तिगत खिताब के सूखे को खत्म करने की उम्मीद लगाए बैठे एचएस प्रणय ने कहा कि अगर वह ऐसा नहीं भी कर पाते तो उन्हें कोई मलाल नहीं होगा क्योंकि अब उनके पास थामस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट का स्वर्ण पदक है। प्रणय भारतीय बैडमिंटन में जाइंट किलर के नाम से मशहूर हैं और वह अपने करियर के दौरान ली चोंग वेई, लिन डैन, चेन लोंग और विक्टर एक्सेलसन जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को हरा चुके हैं। प्रणय हालांकि 2018 में करियर की सर्वश्रेष्ठ आठवीं रैंकिंग हासिल करने के बावजूद 2017 में अमेरिकी ओपन ग्रांप्रि स्वर्ण जीतने के बाद कोई खिताब नहीं जीत पाए हैं। प्रणय ने कहा, 'कुछ असाधारण खिलाड़ी हैं जो लगातार जीत दर्ज कर रहे हैं लेकिन अन्य खिलाड़ी भी हैं जिनमें क्षमता है और उन्होंने बड़े खिलाडियों के खिलाफ जीत दर्ज की है लेकिन कभी कुछ बहुत बड़ा नहीं जीत पाए। मैं इस वर्ग में आता हूं। मुझे पता है कि मैंने कोई बहुत बड़ी सफलता हासिल नहीं की है। शायद ऐसा होने वाला हो, जब ऐसा होना होगा तो होगा लेकिन अगर ऐसा नहीं भी होता है तो भी कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि आपको पता है कि आप प्रयास कर रहे हैं। मुझे लगता है कि मैं खुशकिस्मत था कि मैं थामस कप की टीम में शामिल

दूसरे टेस्ट से पहले न्यूजीलैंड को बड़ा झटका, कप्तान विलियमसन हुए बाहर

नई दिल्ली। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट से पहले न्यूजीलैंड की टीम को झटका लगा है। दरअसल टीम के कप्तान केन विलियमसन दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। मैच के एक दिन पहले वो कोरोना पाजिटिव पाए गए हैं। उनकी अनुपस्थिति में अब ट्रेंट ब्रिज में न्यूजीलैंड की कप्तानी टाम लैथम करेंगे। हालांकि उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर हामिश रदरफोर्ड को स्क्वाड में शामिल कर लिया गया है। इस मौके पर न्यूजीलैंड टीम के हेड कोच गैरी स्टीड ने कहा कि ठइतने महत्वपूर्ण मैच की पूर्व संध्या पर केन का दूसरे टेस्ट से पहले मजबूरी में नाम वापस लेना निराशाजनक है।ठहम सभी इस समय उनके लिए बुरा महसूस कर रहे हैं और जानते हैं कि वह कितना निराश होंगे।ठ हामिश दौरे से पहले टेस्ट टीम के साथ थे और टी20 ब्लास्ट में लीसेस्टरशायर फाक्स के लिए खेल रहे थे। न्यूजीलैंड के लिए इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट आसान नहीं था। टीम को इंग्लैंड के हाथों उस टेस्ट में 5 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी। उस मैच में न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी पूरी तरह से फ्लाप रही थी। पहली पारी में जहां टीम केवल 132 रन ही बना पाई थी वहीं दूसरी पारी पारी में न्यूजीलैंड ने डैरिल मिचेल के 108 रनों की पारी की बदौलत केवल 285 रन बना पाइ थी। दोनों ही पारियों में केन विलियमसन नाकाम रहे थे और उन्हें डेब्यूटांट मैट पाट्स ने आउट किया था। उन्होंने पहली पारी में 2 जबकि दूसरी पारी में 15 रन बनाए थे। दूसरे टेस्ट से पहले कोरोना पाजिटिव होने के कारण अब उन्हें 5 दिन के लिए आइसोलेट होना पड़ेगा और उम्मीद है कि वो 23 जून से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट में एक बार फिर से वापसी करेंगे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के वो तीन 'विलेन' जिससे इतिहास बनाने से चूक गई टीम इंडिया

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में टीम इंडिया के पास इतिहास बनाने का मौका था लेकिन टीम 211 रन जैसे बड़े टोटल को भी डिफेंड नहीं कर पाई और लगातार 12 जीत का कारवां आखिरकार दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आकर थम गया। टास हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी में नाकामयाब रहे। उस वक्त वह केवल 32 गेंदों पर 30 रन बनाकर खेल रहे थे। लेकिन उसके बाद उन्होंने 46 गेंदों पर 75 रनों की विस्फोटक पारी खेली और टीम को जीत दिला दी। पावरप्ले में दक्षिण अफ्रीका 4 ओवर में 1 विकेट पर 42 रन बना चुकी थी। विकेट की तलाश में पंत ने गेंद हार्दिक पांड्या

टीम इंडिया के लिए सबकुछ ठीक रहा और आइपीएल के फार्म को पीछे छोड़ते हुए इशान किशन ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाई, नतीजा टीम निर्धारित ओवर में 4 विकेट पर 211 रन बनाने में कामयाब रही लेकिन गेंदबाजों ने अपना काम ठीक से नहीं किया और दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ सबसे बड़े लक्ष्य को हासिल करते हुए 5 गेंद पहले 3 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। यदि हम टीम इंडिया के इस हार में उन तीन विलेन को ढूंढने की कोशिश करें तो ये तीन नाम हैं श्रेयस अय्यर, हार्दिक पांड्या और युजवेंद्र चहल हैं। 16वें ओवर में जब आवेश खान गेंदबाजी करने आए तो दूसरी गेंद पर रासी वैन डर दुसेन ने मिड विकेट पर शाट खेला जहां गेंद सीधे अय्यर के हाथों में गिरी लेकिन वो इसे लपकने को थमाई जो आइपीएल में शानदार गेंदबाजी कर रहे थे लेकिन उनका ओवर महंगा साबित हुआ। प्रिटोरियस ने उनके ओवर में 3 छक्के लगाए और यहां से दक्षिण अफ्रीका की टीम वापसी करने में कामयाब रही। दिल्ली की पिच स्पिनरों के लिए मददगार मानी जाती है। पहली इनिंग में दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज केशव महराज को भी टर्न मिल रहा था लेकिन आइपीएल में पर्पल कैप होल्डर चहल को, पंत ने पावरप्ले में गेंदबाजी करवाई और उनके ओवर में 16 रन बने। दूसरा टी20 मैच 12 जून को बाराबती स्टेडियम कटक में खेला जाएगा। उम्मीद है कि उस मैच में अर्शदीप सिंह को शामिल किया जाएगा जिन्होंने आइपीएल में डेथ ओवर में शानदार गेंदबाजी की थी। इसके अलावा पहले टी20 की गलतियों से सबक भी लिया जाएगा।

किसी टी20 इंटरनेशनल मैच में पहली बार चार भारतीय बल्लेबाजों ने किया कुछ ऐसा कमाल

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया ने 211 रन का बड़ा स्कोर बनाया था, लेकिन भारतीय क्रिकेट टीम इस स्कोर को डिफेंड करने में नाकामयाब रही और मैच हाथ से निकल गया। इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों ने जमकर रन बनाए, लेकिन डेविड मिलर और वान डर डुसेन का बल्ला कुछ ऐसा चला की भारत की जीत की उम्मीदों पर पानी फिर गया। हालांकि मैच के बाद कप्तान रिषभ पंत ने जरूर कहा कि हमने अच्छा स्कोर किया था, लेकिन दूसरी पारी में पिच बल्लेबाजी के लिए और बेहतर होती चली गई और ये हार का सबसे बड़ा कारण रहा। साउथ अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में भारत के लिए सबसे बड़ी पारी ईशान किशन ने खेली और 3 छक्के व 11 चौकों के साथ 48 गेंदों पर 76 रन बनाए। वहीं रुतुराज गायकवाड़ ने 3 छक्कों की मदद से 15 गेंदों पर 23 रन की पारी खेली। तीसरे नंबर के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने 27 गेंदों पर 3 छक्के व 1 चौके की मदद से 36 रन बनाए तो वहीं हार्दिक पांड्या ने 3 छक्के व 2 चौकों की मदद से 12 गेंदों पर नाबाद 31 रन की पारी खेली। कप्तान रिषभ पंत ने इस मुकाबले में 2 छक्के व 2 चौकों की मदद से 16 गेंदों पर 29 रन की पारी खेली। इस मैच में भारत की तरफ से चार बल्लेबाजों ने अपनी पारी के दौरान तीन छक्के लगाए और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में ऐसा पहली बार हुआ जब किसी मैच में चार भारतीय बल्लेबाजों ने तीन या फिर उससे ज्यादा छक्के लगाने का कमाल किया। साउथ अफ्रीका के खिलाफ दिल्ली टी20 मुकाबले में ईशान किशन, रुतुराज गायकवाड़, श्रेयस अय्यर व हार्दिक पांड्या ने 3-3 छक्के लगाने का कमाल किया। इस मैच में भारत की तरफ से कुल 14 छक्के लगाए गए। आपको बता दें कि भारत ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 211 रन बनाए, लेकिन साउथ अफ्रीका ने 19.1 ओवर में 3 विकेट पर 212 रन बनाते हुए मैच में 7 विकेट से जीत दर्ज कर ली।

खिलाड़ी प्रकाश जिन्होंने भारत में रखी बैडमिंटन की सफलता की नींव

नई दिल्ली, आनलाइन डेस्क। कोई भी खेल तब बड़ा बनता है जब उस खेल में आपके पास हीरो बड़े हों। भारत में क्रिकेट के बाद पिछले दशक में जिस खेल ने तेजी से वैश्विक स्तर पर अपनी एक अलग पहचान बनाई है वो है बैडमिंटन और 10 जून का दिन उसी बैडमिंटन स्टार प्रकाश पादुकोण के जन्मदिन को सेलिब्रेट करने का दिन है जिन्होंने भारत को पहली बार वैश्विक पटल पर बैडमिंटन में पहचान दिलवाई। 10 जून 1955 को कर्नाटक में जन्मे प्रकाश पादूकोण ने पहली बार भारत को 1978 कामनवेल्थ गेम्स में गोल्ड दिलाकर सफलता दिलाई थी। यह बैडमिंटन में देश का पहला बड़ा खिताब था। उसके बाद उन्होंने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी प्रतिभा का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने 1980 से 1985 के दौरान 15 अंतर्राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किए। 1980 से पहले भारतीय बैडमिंटन टीम आल इंग्लैंड चैंपियनशिप में केवल भागीदार के तौर पर जाती थी लेकिन उन्होंने उस साल आल इंग्लैंड चैंपियनशिप जीतकर देश के लाखों युवाओं को यह सपना देखने का अधिकार दिया कि वो बतौर करियर बैडमिंटन को चुन सकते हैं। वो ऐसा करने वाले पहले भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी थे। इस खिताब को जीतने का नतीजा यह हुआ कि वर्ल्ड रैंकिंग में वो पहले नंबर पर पहुंच गए जो किसी भारतीय बैडमिंटन खिलाड.ियों द्वारा पहली उपलब्धि थी। 1981 में उन्होंने एल्बा वर्ल्ड कप पर कब्जा किया वो ऐसा करने वाले पहले भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी थे।यह बैडमिंटन से जुड़ा उनका प्यार ही था कि 1989 में रिटारयमेंट के बाद भी वो इस खेल से जुड़े रहे और ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट की स्थापना की। इसके अलावा उन्होंने नई पीढ़ी के बैडमिंटन स्टार को तराशने के लिए कई एकेडमी की स्थापना की। उनकी उपलब्धि का सम्मान करते हुए भारत सरकार ने 1972 में उन्हें अर्जुन पुरस्कार, 1982 में पद्म श्री से सम्मानित किया। उन्होंने तब जो बैडमिंटन की नींव रखी थी उसे आगे पुलेला गोपीचंद ने बढ़ाया उसी का नतीजा है कि आज हमारे पास बैडमिंटन का हर वो खिताब है जो कोई देश अपने नाम करना चाहता है। देश में आज पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत, साइना नेहवाल, एचएस प्रणय और न जाने कितने ऐसे नाम हैं जो आने वाले समय में भारत को बैडमिंटन में मेडल दिलवाएंगे।

इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत को लीड करने वाले सबसे युवा विकेटकीपर बने रिषभ पंत

नई दिल्ली। रिषभ पंत ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली बार टीम इंडिया की कप्तानी की, लेकिन उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और अपने घरेलू मैदान दिल्ली पर

उन्हें 7 विकेट से मात मिली। बेशक इंटरनेशनल क्रिकेट में बतौर कप्तान पंत की शुरुआत निराश करने वाली रही, लेकिन उन्होंने एक खास रिकार्ड अपने नाम जरूर कर लिया और टीम इंडिया के पूर्व कप्तान एम एस धौनी के रिकार्ड को तोड़ दिया। रिषभ पंत इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत की कप्तानी करने वाले सबसे युवा विकेटकीपर बन गए। साउथ अफ्रीका के खिलाफ गुरुवार को दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम पर पंत ने बतौर कप्तान अपना डेब्यू किया। वो 24 साल 248 दिन की उम्र में भारत के कप्तान बने और धौनी का रिकार्ड तोड़ दिया। दरअसल पंत से पहले एम एस धौनी इंटरनेशनल लेवल पर भारत की कप्तानी करने वाले सबसे युवा विकेटकीपर थे। धौनी ने साल 2007 में स्काटलैंड के खिलाफ 26 साल 68 दिन की उम्र में भारत के लिए कप्तानी की थी। अब पंत इस मामले में पहले नंबर पर आ गए हैं जबकि धौनी दूसरे नंबर पर खिसक गए। वहीं राहुल द्रविड़ इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत को लीड करने वाले तीन सबसे युवा विकेटकीपर

किलर मिलर ने 'प्लेयर आफ द मैच' बनकर तोड़ दिया एबी डिविलियर्स का यह खास रिकार्ड

नई दिल्ली। दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में गुरुवार को भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेले गए पहले टी20 मैच में जब टीम इंडिया ने 211 रन बनाए तो ऐसा लग रहा था कि शायद भारतीय टीम को जीत मिल जाएगी क्योंकि इस स्कोर तक पहुंचना उतना आसान नहीं था। हालांकि इस उम्मीद को साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज डेविड मिलर और वान डर डुसेन ने पूरी तरह से झुठला दिया और 5 गेंद शेष रहते हुए अपनी टीम को 7 विकेट से जीत दिला दी। इस मैच में डुसेन ने किलर मिलर से बड़ी पारी खेली, लेकिन डेविड मिलर को ही प्लेयर आफ द मैच का खिताब दिया गया। दरअसल उन्होंने भारत के खिलाफ आते ही जिस तरह से चार्ज करना शुरु किया उससे ये साफ हो गया कि आइपीएल 2022 में खेलने का उन्हें कितना फायदा हुआ। वहीं मिलर को देखकर डुसेन ने भी अपना गेयर बदल दिया जो शुरुआत में संघर्ष करते हुए दिख रहे थे। इस मैच में साउथ अफ्रीका ने 81 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे, लेकिन इसके बाद मिलर और डुसेन पूरी तरह से क्रीज पर जम गए और दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए नाबाद 129 रन की शतकीय साझेदारी हुई और प्रोटियाज को जीत मिल गई। डुसेन ने 46 गेंदों पर 5 छक्के व 7 चौकों की मदद से नाबाद 75 रन की पारी खेली जबकि मिलर ने 31 गेंदों पर 5 छक्के और 4 चौकों की मदद से नाबाद 64 रन बनाए। इस टीम को भारत की तरफ से जीत के लिए 212 रन का लक्ष्य मिला था जिसे 19.1 ओवर में 3 विकेट पर पूरा कर लिया गया और साउथ अफ्रीका को 7 विकेट से जीत मिली। इस मुकाबले में डेविड मिलर को उनकी पारी के लिए प्लेयर आफ द मैच का खिताब दिया गया। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में ये 8वां मौका था जब मिलर के ये टाइटल जीता। इससे पहले साउथ अफ्रीका की तरफ से टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार प्लेयर आफ द मैच का खिताब जीतने का रिकार्ड एबी डिविलियर्स के नाम पर दर्ज था। अब डेविड मिलर ने एबी को पीछे छोड़ दिया है और साउथ अफ्रीका के लिए टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार प्लेयर आफ द मैच का खिताब जीतने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं।

राशिफल

मेष-:अपनी भावनाओं पर विशेष रूप से क्रोध पर नियंत्रण रखें। धन कमाने के नए अवसर लाभ दिलाएंगे। आपके बच्चे के पुरस्कार वितरण समारोह का निमंत्रण आपके लिए एक सुखद अनुभूति होगी।

वृष-:आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज के दिन आप जो भी काम शुरू करेंगे उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी। पुराने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने का भी मौका मिलेगा।

मिथुन-भावनात्मक रूप से आप जो चाहते हैं उसे लेकर अनिश्चित और बेचैन रहेंगे. आर्थिक तंगी से बचने के लिए अपने तय बजट से ज्यादा दूर न जाएं।

कर्क-:आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज कोई बड़ा व्यापारिक सौदा बहुत सोच समझकर करने की जरूरत है। किसी अनुभवी व्यक्ति या किसी विश्वसनीय व्यक्ति की राय लेकर ही कदम आगे बढ़ाएं।

सिंह-:अपने मूल्यों को नज़रअंदाज़ करने से बचें और हर निणन्य तार्किक रूप से लें. दूसरों को प्रभावित करने के लिए अतिरिक्त पैसा खर्च न करें।

कन्या-:आज का दिन बहुत अच्छा रहने वाला है. कोई पुराना व्यापारिक सौदा आपको अचानक लाभ देगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

तुला-:आप पैसा कमा सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा राशि को पारंपरिक रूप से निवेश करें। आज आप जिस सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होंगे, उस समय आप सभी के ध्यान का केंद्र होंगे।

वृश्चिक-:विद्यार्थियों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। आज आपको मनचाहे कॉलेज में प्रवेश मिल सकता है। कारोबारियों को आज खुद में बदलाव लाना होगा।

धनु-:उन लोगों की तरह व्यवहार न करें जो अपने सपनों की खातिर अपने घर और स्वास्थ्य का त्याग करते हैं और केवल अपनी महत्वाकांक्षाओं के पीछे भागते हैं. धन कमाने के नए अवसर लाभ दिलाएंगे।

मकर-:आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है. आज आपको सही समय की पहचान करनी होगी। आज सटीक योजनाएँ बनाने का दिन है। ऑफिस में आज आपको सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। जूनियर आपके सुझाव से सहमत होंगे।

कुंभ-:इस समय यह समझना बहुत जरूरी है कि मानसिक शत्रु आपके शरीर की रोग से लड़ने की क्षमता को बहुत कम कर देते हैं. इसलिए नकारात्मक विचारों को अपने मन में जगह न बनने दें।

मीन-:आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। मित्रों और स्नेही संबंधियों के साथ संबंध पहले से बेहतर रहेंगे। आज पिता और बड़े भाई की मदद से आप कोई नया व्यवसाय शुरू कर सकते हैं, जिसमें आपको सफलता मिलेगी।

सम्पादकीय

नरेंद्र मोदी का आत्मविश्वास, जिसकी बुनियाद पर गढ़ा जा रहा नया भारत

आज जब नरेन्द्र मोदी की बतौर प्रधानमंत्री आठ साल की उपलब्धियों की चर्चा हो रही है, तब यह समझना आवश्यक है कि ये उपलब्धियां उनके लंबे संघर्षपूर्ण जीवन का परिणाम हैं। प्रधानमंत्री ने अपने कुशल नेतृत्व से देश में सबको आत्मविश्वास से सराबोर कर दिया है। इनमें अंतिम पायदान पर खड़े देश के आम लोग भी हैं। प्रधानमंत्री के जीवन को बाह्य तत्व प्रभावित नहीं करते। उनमें आत्मग्लानि का भाव नहीं हैं। 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद वह जब अपने पारंपरिक पहनावे में काठमांडू के पशुपतिनाथ मंदिर में पूजा-अर्चन करने के बाद आशीर्वाद में मिली भेंट लेकर बाहर निकले तो करोड़ों भारतीयों के लिए वह एक आध्यात्मिकता से ओतप्रोत क्षण था। अयोध्या में राम मंदिर के भूमि-पूजन के बाद जब उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्निर्माण कराया तो लोगों को उन अहिल्याबाई होलकर की याद आई, जिन्होंने 1780 में इस मंदिर का जीर्णोद्धार कराया था। भगवान बुद्ध परिपथ का विकास भी प्रधानमंत्री की प्राथमिकता में रहा। उन्होंने पिछले साल उनकी निर्वाण स्थली कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करके इस तीर्थस्थल को एक नई सौगात दी इसी तरह पीएम मोदी ने हाल में बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुंबिनी में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर फार बौद्ध कल्चरल एंड हेरिटेज सेंटर का शिलान्यास किया। आम लोगों के बीच अपने को उन्हीं जैसा ढालने में वह रत्ती भर भी संकोच नहीं करते। वह चाहे वाल्मीकि जयंती पर लोगों के बीच खंजरी बजाना हो या झाड़ू लगाकर स्वच्छता-सफाई का संदेश देना हो। प्रयागराज कुंभ में सफाई कर्मियों के चरण अपने हाथों से धोकर उन्होंने यही संदेश दिया था कि वह सबके हैं। नवरात्र के एक मौके पर अमेरिका में उन्होंने अपना उपवास नींबूपानी पर गुजार दिया, जो वहां के लोगों के लिए किसी आश्चर्य से कम नहीं था। नरेन्द्र मोदी ने सही मायने में उन महर्षि अरविंद के दर्शन को जमीन पर उतारा है, जिनका यह मानना था कि कांग्रेस को भारत की अपनी पारंपरिक राज्य व्यवस्था साकार करनी चाहिए, क्योंकि पश्चिमी तौर-तरीकों से देश का कभी भला नहीं होने वाला। जैसा महर्षि अरविंद चाहते थे, वैसा मोदी ने किया। उन्होंने इसकी शुरुआत योग को विश्व पटल पर लोकप्रिय बनाने की पहल करके की। अपने आत्मविश्वास के चलते मोदी ने विश्व पटल पर एक अलग छाप छोड़ी है। इसका प्रमाण यह है कि पश्चिमी देशों के तमाम दबाव के बाद भी रूस-यूक्रेन युद्ध के मामले में भारत ने जो रुख अपनाया, उस पर दृढ़ता से कायम रहा। कोरोना महामारी में विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ-साथ कंधे से कंधा मिलाकर भारत ने दुनिया के कई देशों को वैक्सीन और दवाओं की मदद देकर भारत की 'वसुधैव कुटुंबकम्' की परंपरा को चरितार्थ किया। कोरोना महामारी से जब देश-दुनिया त्रस्त थी, तब मोदी देशवासियों को आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ा रहे थे। प्रतिक्रियावादी मजाक उड़ा रहे थे, लेकिन मोदी ने उनकी परवाह नहीं की। इस दौरान वह पारंपरिक चिकित्सा को एक नई पहचान दिलाने में सफल रहे, जिसका व्यापार करीब छह गुना बढ़ गया है। उद्योग के क्षेत्र में नैनो यूरिया खाद एक अभूतपूर्व पहल है। कुछ दिन पहले उन्होंने गुजरात के गांधीनगर में नैनो यूरिया प्लांट का उद्घाटन किया। यह खाद तरल होगी और एक बोतल से एक बोरी यूरिया की ताकत मिलेगी। यूपी समेत देश के कई राज्यों में इस तरल खाद के प्लांट लगाए जाएंगे, जो कृषि क्षेत्र में सचमुच एक ऐतिहासिक क्रांति होगी। अभी तक यूरिया खाद आयात करनी पड़ती थी। सरकार को करीब दो लाख करोड़ रुपये सब्सिडी के रूप में खर्च करने पड़ते थे। अब यह खर्चा बचेगा। अगले कुछ वर्षों में देश खाद्य तेल के मामले में आत्मनिर्भर हो जाएगा। डिफेंस कारिडोर भी इस कड़ी में एक अहम कड़ी है। रक्षा उपकरणों के उत्पादन के मामले में पिछले आठ वर्षों से देश आत्मनिर्भर बनने की कोशिश के साथ ही 72 देशों को हथियार भी बेच रहा है। 2015 में रक्षा निर्यात 1941 करोड़ रुपये था। वर्ष 2021-22 में यह बढ़कर 11607 करोड़ रुपये हो गया है। सरकार ने 2025 तक रक्षा निर्यात का यह लक्ष्य पांच अरब डालर का रखा है।

आस्थाओं पर स्वस्थ संवाद के बंद होते दरवाजे ईशनिंदा कानून नहीं

भारत में आस्थाओं पर स्वस्थ संवाद की परंपरा बहुत पुरानी और सम्मान्य रही है। ईसा से पांच सौ वर्ष पूर्व बौद्ध और जैन धर्मों के निरीश्वरवादी आचार्य सदियों से चले आ रहे ईश्वरवाद और उससे जुड़े दर्शनों को अपने प्रखर तर्कों से चुनौती दे रहे थे तो नितांत भौतिकवादी लोकायत या चार्वाक दर्शन के आचार्य बृहस्पति बौद्ध और जैन धर्मों को चुनौती दे रहे थे। उस युग के किसी धर्म या दर्शन और विकास के इस युग में आस्थाओं पर संवाद की परंपरा फलने-फूलने के बजाय उसका अस्तित्व ही खतरे में दिख रहा है। ज्ञानवापी से मिली सामग्री और भाजपा के दो पूर्व प्रवक्ताओं के बयानों पर उठे बवाल के बाद विश्व हिंदू परिषद ने ईशनिंदा कानून की मांग की है। भारत का अधिकांश मुस्लिम समुदाय पहले से ही ऐसे कानून की मांग करता आया है। तीन तलाक के खिलाफ कानून, स्कूलों

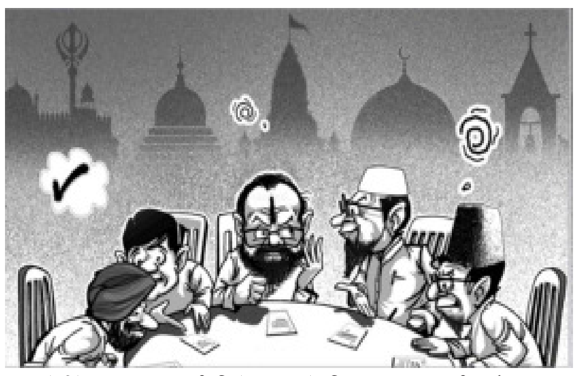

का कोई ऐसा बड़ा ग्रंथ नहीं मिलेगा, जिसमें दूसरे दर्शनों की बातें न रखी गई हों। ये बातें उन इतिहासकारों की धारणा का खंडन करती हैं, जो प्राचीन भारत में धार्मिक असहिष्णुता खोजने का प्रयास करते हैं। यह परंपरा भारत में नए पंथों के आगमन और विदेशी आक्रमणों के बावजूद जारी रही। अकबर के दरबारी इतिहासकार अबुल फजल ने लिखा है कि 1578 में इबादतखाने में हुए दार्शनिक सम्मेलन में चार्वाक दर्शन के आचार्यों ने भी भाग लिया था। अफसोस की बात है कि शिक्षा में हिजाब पर पाबंदी और समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों के साथ इतिहास की बातें मुस्लिम समुदाय को बेचैन कर रही हैं। हालांकि ईशनिंदा कानून का इनसे कोई सीधा संबंध नहीं, फिर भी उसे इसमें सुरक्षा दिखाई देती है। हिंदुओं के एक बड़े वर्ग को लगने लगा है कि जैसी तत्परता दूसरे धर्मावलंबियों की आस्था के बचाव में दिखाई जाती है, वैसी उनकी आस्था के बचाव में नहीं दिखाई जाती। हजारों साल से दूर रहता आया है।

दुनिया के तमाम हिस्सों पर बुरी नजर गड़ाए हुए है चीन, जिसकी काट करना जरूरी

रूस के शक्ति संपनन्न होने पर सोवियत संघ को पुनर्गठित करने की आकांक्षा ने रूस-यूक्रेन युद्ध को जन्म दिया, जिसने संपूर्ण विश्व को एक बार फिर से दो धुरी बनने की ओर विवश कर दिया है। एक तरफ अमेरिका के साथ पश्चिमी देश हैं तो दूसरी ओर चीन व रूस। इस परिस्थिति का लाभ उठाकर चीन के आक्रामक होने का खतरा बढ़ता जा रहा है। चीन दक्षिणी चीन सागर पर अपने अधिकार का दावा कर उस पर कब्जा करने के प्रयास में है। साथ ही हिंद महासागरीय देशों को कर्ज के जाल में फांसकर उसके महत्वपूर्ण बंदरगाहों पर कब्जा कर सैन्य गतिविधियों में संलिप्त है। अफ्रीका महाद्वीप के 54 देशों में से 32 देशों को लगभग 148 अरब डालर कर्ज देकर अपनी साजिश का शिकार बना चुका है, जहां वर्ष 2010 से प्रत्येक साल 70 नई परियोजनाओं को जोड़ते जा रहा है। इसमें ज्यादतर देश कर्ज न चुका पाने की स्थिति में चीन के उपनिवेश बनने की ओर अग्रसर हैं। अब वह प्रशांत द्वीपीय देशों पर कब्जे कर सैन्य बेस की साजिश में लगा हुआ है चीन का विस्तारवाद : चीन की स्थलीय सीमा से जुड़े देशों के लिए जनवरी 2022 से लागू भूमि सीमा कानून के अनुसार जिस जमीन पर चीन ने कब्जा कर लिया है वहां से हटाने का अर्थ कानून को तोड़ना है, जिसे चीन की अखंडता से जोड़ दिया गया है। हालांकि चीन की वास्तविक सीमा चीन की महान दीवार है, इसके अतिरिक्त सभी चीन के विस्तारवाद का ही परिणाम है। अपनी अर्थव्यवस्था को 'ब्लू इकोनमी' (समुद्र में पाई जाने वाली वस्तुओं से संबंधित) में बदलने के लिए चीन समुद्री क्षेत्र में अपने विस्तारवादी मंसूबों को कामयाब करना चाहता है। इस कारण दक्षिण एशिया में श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और मालदीव का अस्तित्व चीन के कारण खतरे में है। चीन के कर्ज जाल से बदहाल हो चुके श्रीलंका को भारत पर भरोसा है। बलूच व सिंधियों के आंदोलन से बढ़ते असंतोष ने पाकिस्तान के तीन खंड में विखंडित होने की आशंका वहां के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पहले ही जता चुके हैं। अफगानिस्तान में तालिबान के आने के बाद वह दूसरे देशों की अनुकंपा पर निर्भर है और चीन की उपस्थिति बेल्ट एंड रोड, लिथियम व ऊर्जा कारणों से है, परंतु भारत के मानवीय कार्यों से प्रभावित रहा तालिबान भारत के साथ अपने रिश्ते मजबूत करना चाहता है। मालदीव में चीन की साजिश को वहां की सरकार ने प्रतिबंधित कर भारतीय नौसेना को मालदीव को प्रशिक्षित करने के लिए अनुरोध किया है। बांग्लादेश ने भारत की शक्ति व नीयत पर भरोसा करते हुए चटगांव बंदरगाह के प्रयोग की अनुमति उसे दी है, जिससे चीन की वर्षों की साजिश नाकाम हो गई। म्यांमार में चीन की विस्तारवादी गतिविधियों पर भी भारत नजर बनाए हुए है। इसी प्रकार दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों (कंबोडिया, इंडोनेशिया, मलेशिया, म्यांमार,

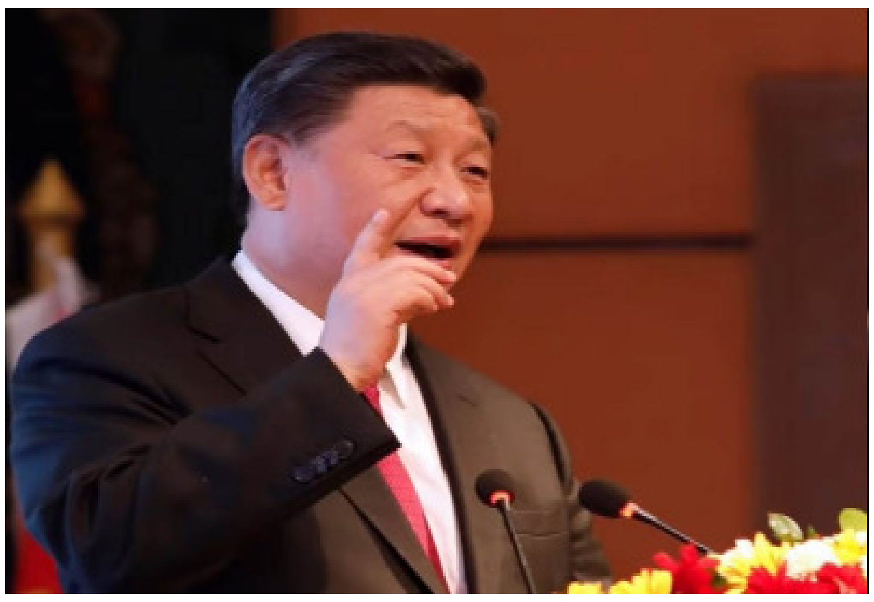

फिलीपींस, सिंगापुर, लाओस, थाइलैंड, पूर्वी तिमोर और वियतनाम) की सीमाओं पर अतिक्रमण की स्थिति व दक्षिणी चीन सागर में कृत्रिम द्वीपों के निर्माण व सैन्य अड्डों ने इस क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है प्रशांत द्वीपीय देश 14 राज्यों का समूह है जो एशिया, आस्ट्रेलिया और अमेरिका के बीच प्रशांत महासागर के उष्णकटिबंधीय क्षेत्र से संबंधित है, जिसमें फिजी, माइक्रोनेशिया, नौरू, पापुआ न्यू गिनी, सोलोमन आइलैंड्स, टोंगा और तुवालु आदि शामिल हैं। चीन के सुपर पावर बनने के सपने को साकार करने के लिए इन मार्गों पर अधिकार व सैन्य गतिविधि की साजिश वाली यह यात्र असफल साबित हुई। इन क्षेत्रों में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए भारत ने 'फोरम फार इंडिया पैसिफिक कोआपरेशन' का गठन वर्ष 2014 में किया था। इसी प्रकार इस इलाके में चीन की साजिश नाकाम हुई और सेशेल्स ने भारत पर भरोसा जताते हुए सैन्य बेस की अनुमति दे दी है। आज संपूर्ण विश्व अपने हित को लेकर दो खेमे में बंट जाने के बाद अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा व संप्रभुता को लेकर खतरे का अनुभव कर रहा है। परंतु भारत अपने स्वतंत्र विचार के साथ किसी धुरी में न होकर अपनी जमीन पर विश्व की आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है, जो किसी भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में नहीं है। चीन की विस्तारवादी नीति की आक्रामकता से दक्षिण व दक्षिण-पूर्व एशिया के देश भारत के नेतृत्व में साथ आने चाहते हैं। हिंद महासागरीय क्षेत्र सदियों से भारत के व्यापारिक व सांस्कृतिक गतिविधियों के केंद्र रहे हैं, परंतु भारत कभी भी आक्रामक नहीं रहा और कोरोना काल में विश्व ने भारत की सनातन परंपरा को अनुभव किया। यही कारण है कि दुनिया के तमाम देश आज भारत को विश्व मध्यस्थता व समाधान के वैश्विक केंद्र के रूप में देख रहे हैं। प्राचीन भारत में एक ही सांस्कृतिक ढांचे से निकले देशों के साथ अपने पुराने समुद्री मार्ग जिसमें दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के साथ प्रशांत क्षेत्र में तथा पश्चिमी हिंद महासागर से लगे देश अफ्रीका और अरब से लाल सागर होते हुए स्वेज नहर से भूमध्य सागर और फिर जिब्राल्टर पार करके अटलांटिक महासागर से यूरोपीय देशों के साथ पुराने रास्तों को खोल कर व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों को पुनर्स्थापित करना होगा, जो भारतीय संस्कृति के साथ 'ब्लू इकोनमी' शक्ति के रूप में भारत को प्रतिस्थापित भी करेगा। अपने व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए दक्षिण एशिया से शुरू करते हुए तमाम प्राचीन श्रृंखला की कड़ियों को जोड़ना होगा, जो भारत के साथ वैश्विक शांति के लिए आवश्यक है।

पैगंबर मामले में भारत के दावों से संतुष्ट हुआ ईरान, क्यों सुर्खियों में आए 'संकट मोचक' अजित डोभाल एक्सपर्ट व्यू

नई दिल्ली। पैगबर मोहम्मद विवाद मामले में एक बार फिर भारतीय कूटनीति का लोहा पूरी दुनिया ने माना है। बता दें कि इस विवाद के चलते खाड़ी देशों में भारत के प्रति नाराजगी है। खासकर भारत के मित्र सऊदी अरब और ईरान ने भी पैगंबर मामले में अपनी आपत्ति जताई है। ऐसे में भारत आए ईरानी विदेश मंत्री ने भारत के स्टैंड पर अपनी सहमति जताई है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या ईरानी विदेश मंत्री के इस स्टैंड का श्रेय अजित डोभाल और ईरानी विदेश मंत्री की वार्ता को जाता है आखिर भारत ने यह बड़ी सफलता कैसे हासिल की इस सफलता के पीछे किसका योगदान है भारत के लिए क्यों जरूरी है खाड़ी देश इसके साथ यह जानेंगे कि ईरान और भारत के बीच किस तरह के रिश्ते हैं इन सारे मसलों पर विशेषज्ञों की क्या राय है 1- विदेश मामलों के जानकार प्रो हर्ष वी पंत का कहना है कि पैगंबर मोहम्मद पर की गई टिप्पणी से खफा ईरान के दृष्टिकोण में बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों में ईरान उन मुल्कों में शामिल है, जिसने पैगंबर मामले में सख्त प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा कि इसकी बड़ी वजह भारत की कूटनीतिक रणनीति रही है। भारत की यात्रा पर आए ईरानी विदेश मंत्री को भारत यह समझाने में पूरी तरह से सफल रहा कि इसकी भरपाई कर दी गई है। इसके साथ ही भारत ने ईरानी विदेश मंत्री को इस बात से आश्वस्त किया कि भारत में अल्पसंख्यक समुदाय पूरी तरह सुरक्षित है। उनके मौलिक अधिकारों का कोई उल्लंघन नहीं किया गया है। 2- इस मामले में भारतीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल का क्या रोल है ऐसी चर्चा है कि अजित डोभाल ने इसमें सक्रिय भूमिका निभाई है। उहोंने कहा कि देखिए, इसमें कोई शक नहीं कि मोदी इससे खाड़ी देशों में जबरदस्त नाराजगी है। ऐसे में भारत खाड़ी देशों के अपने मित्रों को नाराज नहीं कर सकता है। भारत के लिए यह एक गंभीर विषय है। इसलिए मोदी सरकार ने कंट्रोल डैमेज के लिए संभाल रखा है। उन्होंने कहा मेरा तो यह मानना है कि यह भारतीय कूटनीति की सफलता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जानते हैं कि कुछ खाड़ी देशों के साथ भारत के मधुर संबंध हैं। इसलिए उनकी नाराजगी भारत भूमिका निभाई है। विदेश मंत्रालय हो या प्रधानमंत्री कार्यालय हो या फिर एनएसए की भूमिका क्यों न हो। सभी ने अपने मोर्चे पर सकारात्मक परिणाम दिए। अजित डोभाल ईरानी विदेश मंत्री को यह

सरकार के लिए अजित डोभाल एक संकटमोचक की भूमिका में रहे हैं। विषम परिस्थितियों में और विशेष मिशन में मोदी सरकार उनको उतारती है। संयोग से हर बार परिणाम भी उनके पक्ष में रहते हैं। पैगंबर मोहम्मद का मामला भी भारत के लिए एक बड़ी चुनौती है। सभी मोर्चो को सक्रिय कर दिया है। 3- इसमें कोई शक नहीं कि अजित डोभाल और ईरानी विदेश मंत्री के बीच लंबी वार्ता हुई है, लेकिन ईरानी दृष्टिकोण के बदलाव का श्रेय भारतीय कूटनीति को जाता है। इस काम में विदेश मंत्रालय और खुद प्रधानमंत्री कार्यालय ने मोर्चा के हित में नहीं है। इसलिए ईरानी विदेश मंत्री के भारत आगमन पर पीएम मोदी ने खुद मोर्चा संभाल लिया। इस क्रम में मोदी और ईरानी विदेश मंत्री की बैठक भी हुई। भारत ने यह दिखा दिया कि संयुक्त रूप से किया गया प्रयास सफल रहा। इसमें सरकार के हर पक्ष ने बड़ी समझा पाने में सफल रहे कि दोषियों को कठोर सजा दी जाएगी। ईरानी विदेश मंत्री को कहा गया है कि दोषियों के खिलाफ उचित और कानूनी कार्रवाई की गई है। भारत का संविधान और कानून उनके खिलाफ काम करेगा। 4- इसके अलावा प्रो पंत ने कहा कि यह भारत के इस रणनीति का असर अन्य खाड़ी देशों पर पड़ेगा। इस लिहाज से यह भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत होगी। अब अन्य खाड़ी देश भारत के स्टैंड का समर्थन करेंगे। इस लिहाज से यह सकारात्मक कदम रहा है। ईरानी स्टैंड के बाद पैगंबर मामले में अन्य इस्लामिक देश भी भारत के पक्ष में सोचने में विवश होंगे। 1- खाड़ी देशों से भारत के मधुर संबंध रहे हैं। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर खाड़ी देशों पर निर्भर है। भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का लगभग 20 फीसद सऊदी अरब से और 10 फीसद ईरान से आता है। इसलिए भारत को एक साथ सऊदी अरब और ईरान से अच्छे संबंधों को बनाकर रखना एक बड़ी चुनौती है। भारत ने ईरान से क्रूड आयल मंगाने के मुद्दे पर अमेरिका के दबाव को भी झेला और साथ ही पूरी तरह यह भी कोशिश की कि उसे अपनी संप्रभुता से समझौता नहीं करना पड़े। भारत को ईरान और रूस के साथ व्यापारिक समझौतों के आधार पर ही अमेरिका ने जीएसपी की सूची से बाहर भी निकाल दिया था। 2- इसके अलावा चाबहार पोर्ट के चलते ईरान का सहयोग भारत के लिए बेहद जरूरी है। अफगानिस्तान में बदल रहे हालात के मद्देनजर ईरान का सहयोग भारत के लिए ज्यादा जरूरी हो गया है। भारत अफगानिस्तान को ईरान के चाबहार पोर्ट से जोड़ने के लिए एक बड़ी योजना पर काम कर रहा है। खासकर तब जब अफगानिस्तान में तालिबान सत्ता में है, ऐसे में ईरान भारत के लिए ज्यादा उपयोगी हो जाता है।

देश के इन राज्यों में अगले ५ दिन भारी बारिश की चेतावनी जानें- दिल्ली सहित आपके क्षेत्र में गर्मी से कब मिलेगी राहत

पश्चिम-उत्तर भारत के दिल्ली-राजस्थान से सटे राज्यों में पारा 45 डिग्री के ऊपर है। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून आने में देरी नहीं है। अच्छे मानसून के संकेत मिलने लगे है। इसका अनुमान तेज हवाओं और बादलों से लगाया जा सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि मानसून सामान्य गति से आगे बढ़ रहा है और अगले दो दिनों में इसके महाराष्ट्र पहुंचने की संभावना है। दिल्ली-एनसीआर के लिए विभाग ने फिलहाल कोई अनुमान व्यक्त नहीं किया है। हालांकि अरुणाचल प्रदेश में 10-11 जून को और असम व मेघालय में अगले पांच दिनों में बेहद भारी वर्षा की चेतावनी दी है। मौसम विभाग के वरिष्ठ विज्ञानी आरके जेनामणि ने कहा कि मानसून 29 मई को केरल तट पर पहुंचा था और 31 मई से सात जून के बीच यह दक्षिण व मध्य अरब सागर, केरल, कर्नाटक व तमिलनाडु के कुछ हिस्सों और पूरे पूर्वोत्तर पर छा गया। मानसून की गति धीमी होने संबंधी खबरों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा, 'मानसून के आगे बढ़ने में कोई विलंब नहीं हुआ है। इसके अगले दो दिनों में महाराष्ट्र और उसके अगले दो दिनों में मुंबई पहुंचने की संभावना है।' मौसम विज्ञानी ने कहा कि मानसून के अगले दो दिनों में गोवा और कर्नाटक, आंध्र प्रदेश व तमिलनाडु के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए स्थितियां अनुकूल हैं। उल्लेखनीय है कि यह लगातार सातवां साल होगा जब देश में जून से सितंबर के दौरान सामान्य वर्षा होगी। जेनामणि से जब पूछा गया कि क्या

दिल्ली-एनसीआर व उत्तर-पश्चिम भारत के अन्य हिस्सों में मानसून अपनी सामान्य तिथि को पहुंचेगा, उन्होंने कहा कि इस बारे में कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। पिछले साल मौसम विभाग ने अनुमान जताया था कि दिल्ली में मानसून अपनी सामान्य तिथि (27 जून) से करीब दो हफ्ते पहले पहुंचेगा, लेकिन यह 13 जुलाई को राजधानी पहुंचा था जो पिछले 19 साल में सबसे विलंब से था। स्काईमेट वेदर के मुताबिक देश के उत्तर पूर्वी हिस्से, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, तटीय कर्नाटक और तटीय आंध्र प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश संभव है। बिहार के पूर्वी हिस्सों, तमिलनाडु, केरल, लक्षद्वीप, आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, तेलंगाना, महाराष्ट्र, दक्षिण छत्तीसगढ़ और पूर्वी गुजरात, दक्षिण मध्य प्रदेश और पश्चिमी हिमालय के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश संभव है। स्काईमेट वेदर के मुताबिक पूर्वी विदर्भ के कुछ हिस्सों, नदी और उत्तराखंड, उत्तर पश्चिमी राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, दक्षिण उत्तर प्रदेश, पूर्वोत्तर मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड के पश्चिमी भाग और आंतरिक ओडिशा में एक या दो स्थानों पर लू की स्थिति बन सकती है। मौसम विभाग ने बताया कि वीकेंड पर दिल्ली-एनसीआर और उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ इलाकों में अधिकतम तापमान में कुछ डिग्री की कमी आएगी, लेकिन 15 जून तक गर्मी से कोई बड़ी राहत मिलने की संभावना नहीं है। 16 जून से नमी वाली पूर्वी हवाओं के कारण क्षेत्र को बड़ी राहत मिलेगी। जेनामणि ने कहा, 'दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर-मध्य भारत के विभिनन्न हिस्सों में 11-12 जून को गर्मी से कुछ राहत तो मिलेगी और आसमान में बादल छाये रहेंगे, लेकिन वर्षा होने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि 15 जून तक तापमान 40 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 16 जून से क्षेत्र में नमी वाली पूर्वी हवाओं की वजह से गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने और बारिश होने की संभावना है जिससे गर्मी से काफी राहत मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

अवैध शराब बरामद होने पर 5 अभियुक्तों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत करते हुये भेजा जेल

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में व पुलिस कमिशनर आलोक सिंह एवं जिला अधिकारी सुहास एल0वाई0 के नेतृत्व में जनपद में अवैध शराब के निष्कर्षण एवं अवैध शराब के व्यापार के विरूद्ध चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के तहत जिला आबकारी अधिकारी राकेश बहादुर सिंह ने जानकारी देते हुये बताया कि विगत दिवस आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 1 गौरव चन्द द्वारा दिल्ली गौतमबुद्ध नगर बॉर्डर पर कोंडली में दविश देकर 1 मारुति वैगनार गाड़ी वाहन संख्या-ळझ्र1ढे5918 से कुल 16 किंगफिशर बियर व 12 बोतल प्रोस्ट बियर दिल्ली राज्य में विक्री के लिए अनुमन्य के साथ तीन अभियुक्त राहुल यादव पुत्र मुकेश यादव, ऋषभ रावत पुत्र दिलीप सिंह रावत व रजत कुमार पुत्र ललित कुमार को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम के धारा 63/

72 के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर जेल भेजा गया। इसी प्रकार रवि जायसवाल आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 2, राहुल कुमार सिंह आबकारी निरीक्षक क्षेत्र 7 द्वारा सेक्टर 14ए दिल्ली नोएडा बोर्डर पर चेकिंग के दौरान एक मारुति वेगनआर कार राजिस्ट्रेशन ळझ्र16इऊ4189 से 12 बॉटल रॉयल चैलेंज दिल्ली राज्य में बिक्री के लिए अनुमन्य के साथ 2 अभियुक्त पवन कुमार सिंह पुत्र बैधनाथ, रामचंद्र पुत्र शम्भू को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम की धारा 63/72 में जेल भेजा गया और वाहन को जब्त किया गया। जिला आबकारी अधिकारी राकेश बहादुर सिंह ने कहा कि आगे भी जिलाधिकारी के निर्देशन में अवैध शराब की बिक्री को लेकर आगे भी जनपद में निरंतर गहन सर्च अभियान जारी रहेगा। उन्होंने अवैध शराब का कारोबार करने वालों को सचेत करते हुए कहा है कि उनके विरूद्ध आबकारी अधिनियम के तहत सख्त से सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की गयी।

रामपुर पहाड़ में 11000 केवी विद्युत तार की चपेट में आई मैरिज पार्टी बस

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

सतना। मां शारदा मंदिर के पीछे पहाड़ में उचेहरा थाना इलाके के परस्मानिया रोड में रामपुर पाठा की घटना। 25 से 30 यात्री घायल हुए । मौके पर पुलिस बल के साथ पंहुचे मैहर एसडीएम एसडीओपी थाना प्रभारी डीआर शर्मा घायलों को एम्बुलेंस से मैहर सिविल हॉस्पिटल भेजा गया। जहां पर घायलों का उपचार जारी है। जैसे ही इस घटना की खबर लगी घायलों से मिलने तुरंत पहुंचे प्रदेश कार्यसमिति सदस्य माननीय श्री श्रीकांत चतुर्वेदी जी विकास तिवारी तुसार अग्रवाल साथ रहे मौजूद बताया जा रहा है की बिजली विभाग की लापरवाही से हुई है यह घटना बेटी की शादी कर मैहर से सलेहा जा रहा था आदिवासी परिवार। बस में सवार से 45-50 लोग।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत जनपद के उद्यमी उद्यम स्थापित करने के लिए ले सकते हैं ऋण

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गौतम बुद्ध नगर अंबुज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा उद्यम की स्थापना के लिए बैंकों के माध्यम से 50 लाख रुपए तक का ऋण प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने

बताया कि योजना के तहत सामान्य वर्ग के पुरुष लाभार्थियों को प्रोजेक्ट लागत का 25 एवं आरक्षित वर्ग तथा महिला उद्यमियों को प्रोजेक्ट लागत का 35 मार्जिन मनी अनुदान की सुविधा अनुमन्य है। योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों की वित्त पोषित इकाइयों को अधिकतम 13 तक ब्याज उपादान की सुविधा 3 वर्ष तक दी जाएगी। उन्होंने बताया कि उक्त योजना का लाभ उठाने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। अतः इच्छुक व्यक्ति योजना का लाभ उठाने के लिए की वेबसाइट पर जाकर एजेंसी चयन कर ऑनलाइन आवेदन कर सकता है एवं वेबसाइट से योजना के संबंध में संपूर्ण जानकारी भी प्राप्त कर सकते हैं। उक्त योजना के संबंध में अधिक जानकारी के लिए जनपद के जिला ग्रामोद्योग अधिकारी के मोबाइल नंबर 9580503196, 9837340999 पर संपर्क करके भी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मिस नूर 2022 मॉडलिंग शो में बॉलीवुड टॉलीवुड स्टार ट्विंकल कपूर के हाथों बाँदा की बेटी नेहा कश्यप के सिर सजा शो टॉपर का खिताब

(आधुनिक समाचार सेवा)

बुंदेलखंड। में प्रतिभाओं की कोई कमी नही है बस ज़रूरत है तो उन्हें पहचानने और निखारने कीं अभी हाल में ही 4 तारीख़ को कानपुर स्काई हिल प्रोडक्शन हाउस की तरफ़ से हुए मिस नूर 2022 मॉडलिंग शो में बाँदा की बेटी नेहा कश्यप को जानी मानी हस्ती बॉलीवुड टॉलीवुड स्टार ट्विंकल कपूर के हाथों नेहा के सिर सजा शो टॉपर का खिताब नेहा कश्यप ने एक बार फिर बाँदा नाम इतिहास के पनने में दर्ज कराया है नेहा कश्यप सेंट मेरी के पास ज्योति नगर की रहने वाली है हम बता दे नेहा कश्यप एक जानी मानी मॉडल के साथ साथ एक बेहतरीन ऐक्ट्रेस भी है जिन्होंने मिस इंडिया मिस बुंदेलखंड ऐसे कई खिताब और अवार्ड अपने नाम किये है नेहा ने बहुत सी मूवी वेबसेरीस शॉर्ट फिल्म और हाल में ही इन्होंने अभी बॉलीवुड की न्यू मूवी वेलकम टू मरघट में भी काम किया है नेहा कश्यप ने इतनी छोटी उम्र में बहुत नाम कमाया है नेहा कश्यप ने हमें बताया की उन्हें बचपन से ही मॉडलिंग ऐक्टिंग में बहुत रुचि है बॉलीवुड स्टार ट्विंकल कपूर ने बहुत सहराना की और उन्हें आगे बढ़ने की शुभकामनाएँ दी नेहा कश्यप का यूटूब चैनल है जिसमें वो नत्य की विडीओ उपलोड करती रहती है इनके इन्स्टग्रैम में भी 20,000 हज़ार से अधिक फ़ॉलोअर है नेहा कश्यप बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपना नाम कामना चाहती है हम नेहा के उज्जवल भविष्य की कामना करते है वो ऐसे ही अपने परिवार और बाँदा का नाम रोशन करती रहे कार्यक्रम से घर लौटने के बाद उनके प्राशसको में खुशी की लहर दौड गई है तो वही बदाई देने वालों की ताँता लगी है!

मोदी सरकार के सफल 8 वर्ष पर चल रहा सेवा सुशासन और गरीब कल्याण पर्व

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा ।भारतीय जनता पार्टी नॉएडा महानगर प्रधानमंत्री ठनरेंद्र मोदी सरकार के आठ साल पूरे होने पर सेवा सुशासन और गरीब कल्याण पर्व माना रही है। इसके चलते आज

इन कार्यक्रमों के साथ पर्यावरण दिवस भी मनाया गया। किसान मोर्चा द्वारा तालाबों की सफाई कार्यक्रम, वृक्षारोपण, किसान संवाद और किसानों को फलदार वृक्ष देकर सम्मानित किया गया जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में गौतम बुध नगर के सांसद डॉ महेश शर्मा व उत्तर प्रदेश के भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व नोएडा विधायक पंकज सिंह उपस्थित रहे जिसमें उनके द्वारा किसानों को मोदी सरकार की चल रही सभी किसान सम्बंधित योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम को किसान मोर्चा अध्यक्ष ओमवीर अवाना एवं उनकी टीम द्वारा आयोजित किया गया। किसान संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गौतम बुध नगर के सांसद डॉ महेश शर्मा जी ने कहा कि केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार ने किसानों के लिए अनेकों योजनाएं बनाई हैं, जिससे किसान की आय में वृद्धि हो और हमारा किसान भाई खुशहाल और समृद्ध बने । विभिनन्न योजनाओं पर चर्चा करते हुए माननीय सांसद डॉ महेश शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने किसानों के लिए किसान सम्मान निधि ,किसान सॉइल हेल्थ कार्ड, किसानों के लिए मेडिकल बीमा, आदि लाई। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व नोएडा विधायक श्री पंकज सिंह जी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जबसे प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है किसानो की हक की बात की जा रही है किसानों की आय में कैसे वृद्धि हो इसके लिए काम किया जा रहा है और अन्य योजनाओं के द्वारा किसानों को लाभ देने का काम किया जा रहा है जिससे किसान खुशहाल हो समृद्ध हो। माननीय विधायक जी ने किसानों की समस्याओं को सुना जल्द ही समाधान का आश्वासन भी उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री ठयोगी आदित्यनाथठ जी के जन्मदिन के अवसर पर 51 किसान भाइयों को फलदार वृक्ष देकर माननीय मुख्यमंत्री जी की दीर्घायु होने की कामना की गई साथ ही नॉएडा महानगर के जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता जलपुरा गौशाला ने जा कर वहाँ गायों के लिए चारे आदि के साथ सेवा कार्यक्रम की शुरुआत करी। शाम को युवा मोर्चा द्वारा विकास तीर्थ बाइक यात्रा का आयोजन किया गया। बाइक रैली को दर्जा प्राप्त मंत्री श्री मनीष गुप्ता जी व्यापार कल्याण बोर्ड उपाध्यक्ष एवं नॉएडा ज़िला अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस रैली के द्वारा भाजपा की 8 वर्ष की विकास यात्रा को जन जन तक पहुँचने का और नॉएडा में हुए विकास कार्यों को भी जन जन तक पहुँचने का उद्देश था। इस रैली का रूट नॉएडा शिल्प हाट से सेक्टर 49 तक रहा। बाइक रैली युवा मोर्चा द्वारा आयोजित हुई, जिसमें सौ से अधिक बाइक रही। रैली का युवा मोर्चा अध्यक्ष राम निवास यादव ने नेतृत्व किया। इस मौके पर चंदगीराम यादव, उमेश त्यागी, डिंपल आनंद, युवा मोर्चा प्रभारी मनीष शर्मा किसान मोर्चा प्रभारी महेश अवाना , चंद्रशेखर दूबे, अमित त्यागी, रवि यादव, तन्मय शंकर, ओमवीर आवना, रामनिवास यादव, घनश्याम यादव, मुक्तानंद शर्मा, मोहित शर्मा, अनुज शर्मा, रोहित शर्मा दिनेश चौहान, अजय यादव, सतपाल अवाना, साहिल शर्मा, अनिल मास्टर, सर्वेश कुमार , अभय त्यागी, चरण सिंह प्रधान , भगवत दयाल शर्मा, विजय अवाना ,विकास भाटी ,धर्मेंद्र नंदा, अशोक यादव, प्रदीप शर्मा, लीलू अवाना, राकेश शर्मा, हरी किशोर, मनोज उपाध्याय, रविन्द्र यादव बलवंत सिंह , प्रशांत मंडल सहित सैकड़ों किसान भाई व जिला एवं मंडल के सभी पदाधिकारी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मैहर विधायक नारायण त्रिपाठी ने परसमानिया घटना को लेकर ऊर्जा मंत्री को घेरा

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। परसमनिया पठार रामपुर पहाड़ क्षेत्र में 11000केवी विद्युत तार की चपेट में बारात बस के आने से लगभग 25 से ज्यादा लोग आग की चपेट में आकर झुलस गए जिन्हें देखने सिविल अस्पताल मैहर पहुँचे विधायक नारायण त्रिपाठी ने सरकार के

मुख्यमंत्री,ऊर्जामंत्री और विभाग के सीएमडी को आड़े हाथों लिया। विधायक त्रिपाठी ने कहा कि इस तरह की घटनाएं न हो इसके लिए ऊर्जा मंत्री मुख्यमंत्री को संज्ञान लेना चाहिए। आज विद्युत विभाग के तारों की स्थित जर्जर है इन तारो में कसाव न होने के कारण काफी झूल चुकी है सड़क पार पर कोई सुरक्षा के मापदंड नही जिस कारण लोग घटनाओं के शिकार हो रहे है। लोगो के घरों के नजदीक लगे ट्रांसफार्मर घटनाओं को निमंत्रण दे रहे है लोगो के घरों के ऊपर से जा रही तारे घटना की वजह बन रही है जिसमे विभाग के सीएमडी को ध्यान दिया जाकर समस्या से निजात दिलाया जाना चाहिए। विजली विभाग की अव्यवस्थाओ से आमजन मूक मवेशी घटनाओं के शिकार हो मौत के मुँह में समाहित हो रहे है लेकिन जिम्मेवार मौन है। परसमनिया पठार में हुई घटना के लिए विभाग के अधिकारियों सहित ऊर्जा मंत्री को जिम्मेवारी लेनी चाहिए।

भाजपा के (नोएडा महानगर) महिला मोर्चा द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । यशस्वी कर्मठ , प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के सुनहरे एवम् सफल आठ वर्ष सम्पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी के महिला मोर्चा नोएडा महानगर द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण एवं पुष्टाहार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है, जो श्रीमती गिरिजा सिंह (जिला उपाध्यक्ष ,भाजपा,नोएडा एवं महिला मोर्चा प्रभारी) एवम् श्रीमती शारदा चतुर्वेदी (जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा,भाजपा ,नोएडा) के नेतृत्व मे मंडल स्तर पर दिनांक 06/06/2022 को सम्पन्न होगा। इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे मंडल की अध्यक्ष तथा सभी पदाधिकरी बहनों के साथ साथ उस मंडल मे रहने वाली जिंले की बहनो का भी योगदान रहेगा। इस कार्यक्रम की रुपरेखा तथा आयोजन का भार महामंत्री श्रीमती मधु मेहरा, श्रीमती शिवानी शरद एवम कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती राजश्री गुप्ता के सहयोग से होना सुनिश्चित किया गया ।

ए बिहार तेरी किस्मत पर पुनः रोना आया

(आधुनिक समाचार सेवा)

समस्तीपुर। जिले के विद्यापति नगर थाना क्षेत्र के मऊ गाँव में गरीबी और भुखमरी से तंग आकर एक ही परिवार के 5 ब्राम्हण सदस्यों ने फाँसी लगा आत्महत्या कर लिया। पर मुझे क्या मैं तो 500 करोड़ रु खर्च करूँगा जातीय जनगणना पर। बिहार के सभी राजनैतिक दलों पर तरस आती है मुझे जिन्हें अपने राज्य की ऐसी बद्तर हालत देखकर भी लाज शर्म नहीं आती । जातीय जनगणना से कुछ नहीं होने वाला है साहब जी रोजगार दीजिए तभी ये गरीबो को कल्याण हो सकता है..अगर करवाना ही है तो बेरोजगार जनगणना करबाइये

बिहार मे आज की ताज़ा तस्वीर बिहार राज्य के समस्तीपुर जिले के विद्यापति नगर थाना क्षेत्र के मऊ गांव में घर में फंदे से लटक कर एक ही परिवार के 5 सदस्य ने कैसे खुदकुशी की होगी मासूम को किस तरह गले में फंदा लगाया होगा।

दीपक फाउंडेशन द्वारा आयोजित ओएनजीसी द्वारा प्रायोजित नारी सशक्तिकरण...............

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । नारी शक्ति देश की उननतिठ संगोष्ठी एवं परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन महाराजा अग्रसेन भवन, सेक्टर 33 , नोएडा में किया गया जिसके मुख्य अथिति रणविजय सिंह , एडिशनल डीसीपी , नोएडा थे। जिन्होंने दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुवात किया मंच संचालन श्रीमती कुमकुम झा ने किया एवं अनु सिन्हा ने गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम की सुरुवात किया इस मौके पर नोएडा महानगर के काफी महिला उपस्थित हुए जो सामाजिक कार्यकर्त्ता है एवं समाज के हितो के लिए काम करती रहती है जिसमे अलका गुजर, सुचित्रा पाठक , प्रग्या पाठक , भारती नेगी, आशा पोदार , शशि पांडेय , मीनाक्षी शाह , पूनम सिन्हा, दीपा , गीता भरद्वाज , संगीता , ऋतू सिंह , और काफी महिल थी जिनको सम्मानित किया गया एवं इसमें बहुत सारे महिला अपने अपने विचार रखे उसके बाद दीपक फाउंडेशन द्वारा कुछ गण्यमान लोगो को सम्मानित किया गया जिसमे अनिल झा अमर नाथ झा अजित आज़ाद रामकुमार मिश्रा अजय मिश्रा अभिषेक मिश्रा निशांत झा शैलेन्द्र मिश्रा जीतेन्द्र पाठक मिथिलेश झा विनय झा ,पंकज झा, मोहनजी झा, डॉ प्रशून कुमार झा, संजीव मिश्रा, श्यामा नन्द मिश्रा, कौशल झा आर एन झा, संजीत झा ,शंकर झा, शम्भू झा, विगन्श मिश्रा, नविन झा जीवानंद झा, और काफी लोग थे फिर धन्यवाद भाषण शैलेन्द्र मिश्र (अध्यक्ष)अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद ने किया जिसमे सभी का आभार प्रगट किया जिसने कार्यक्रम में सहयोग किया एवं जो कार्यक्रम में आये उनको धन्यवाद दिए एवं बहुत जल्द पुरे नोएडा महानगर लेबल का कार्यक्रम होगा इसकी घोषणा की सफल कार्यक्रम के लिए पुरे टीम को धन्यवाद दिया।

सेप्टिक टैंक में मृतक संजय व रामू यादव के आश्रितों का विवरण न मिलने के कारण आर्थिक सहायता संभव नहीं हो सका

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा ।जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास)/जिला प्रबंधक उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड संजय कुमार व्यास ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार द्वारा संचालित हाथ से मैला उठाने वाले कार्मिकों के नियोजन का प्रतिषेध और पुनर्वास अधिनियम 2013 के तहत मैन्युअल स्कैवेंजर्स , स्वच्छकार की श्रेणी में आने वाले मैन्युअल स्कैवेंजर्स शहरी क्षेत्र में निवास करने वाले को जनपद में संबंधित औद्योगिक विकास प्राधिकरण एवं ग्रामीण क्षेत्र में निवास करने वाले स्कैवेंजर्स को पंचायत राज मृत्यु पर उनके आश्रितों को 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दिए जाने का प्रावधान है, जोकि मैनुअल स्कैवेंजर्स, स्वच्छकार की श्रेणी में आने वाले मैन्युअल स्कैवेंजर्स एवं उनके आश्रितों को नियमानुसार दी जाएगी। इसी के क्रम में उन्होंने बताया कि सीवर/सेप्टिक टैंक में संजय की वर्ष 2011 व रामू यादव कि वर्ष 2014 में मृत्यु होने की सूचना प्राप्त हुई है, जिन का निवास व पते का विवरण उपलब्ध न होने के कारण इन लोगों के आश्रितों को आर्थिक सहायता का भुगतान किया जाना संभव नहीं हो पा रहा। अतः यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त दोनों व्यक्तियों के आश्रितों का विवरण या निवास, पते का विवरण मिले तो अधोहस्ताक्षरी कार्यालय कमरा नंबर 118 विकास भवन सूरजपुर ग्रेटर नोएडा गौतम बुद्ध नगर में संपर्क करें, ताकि उक्त व्यक्तियों के आश्रितों को भुगतान परीक्षण उपरांत नियमानुसार किया जा सके।

विश्व गुरु भारत बनाने के लिए पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय के पद चिन्हों पर चलना होगाः-हुकम चंद सावला

(आधुनिक समाचार सेवा)

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन संघचालक कु.पी. सुदर्शन ने कहा 21वी शताब्दी हिंदू शताब्दीठ आज पूरी दुनिया इस वातावरण में नजर आ रही है, हिंदु शताब्दी जब साकार होगी हम पंडित दीनदयाल जी के पद चिन्हों पर चलेंगे,उनके बताएं मार्ग पर आगे बढ़ेंगे, यह उद्बोधन विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुकम चंद सावला ने पंडित दीनदयाल विचार संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय विचार संघ उत्तरप्रदेश के प्रदेश संयोजक शैलेन्द्र कुमार गुप्ता और संगठन की राष्ट्रीय संगठन महामंत्री भावना शर्मा ने कार्यक्रम की जानकारी इंदौर से हमारे सवांददाता को देते हुए बताया प्रथम सत्र को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व प्रचारक, पूर्व राज्यसभा सांसद मेघराज जैन ने नमोडिया धर्मशाला, मल्हारगंज, इंदौर में अखिल भारतीय कार्यकारिणी बैठक को संबोधित करते हुए कहा पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय का जीवन सादगीमय था, सादा जीवन उच्च विचार के जीवन को जीने वाला था, उनके विचारों को शुरू में लोग समझ नहीं पाए, जैसे ही ठएकात्म मानववादठ उनके विचार अखबारों में आने लगा पूरे भारत में हड़कंप मच गया, यह संपूर्ण मानव की चिंता करने वाला महापुरुष कौन है,आज उनके विचारों को पंडित दीनदयाल विचार संघ के संपूर्ण देश से पधारे पदाधिकारी गण जन-जन तक पहुंचाएं, पंडित दीनदयाल उपाध्याय विचार संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक को जम्मू कश्मीर प्रदेश अध्यक्ष पूजा केथ, उत्तर प्रदेश संयोजक शैलेन्द्र कुमार गुप्ता,पश्चिम बंगाल की महिला प्रदेश अध्यक्ष किरण शर्मा, झारखंड युवा प्रदेश अध्यक्ष गौतम पांडे, छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र दीवान, तेलंगाना प्रदेश की महिला अध्यक्ष एस.आर. प्रगति, तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर पिल्लुई, गुजरात के युवा प्रदेश संयोजक प्रशांत शाह, राजस्थान के युवा प्रदेश अध्यक्ष रामसहाय प्रजापति, ने भी अपने विचार और विषय राष्ट्रीय बैठक में रखें, पंडित दीनदयाल उपाध्याय विचार संघ के राष्ट्रीय महामंत्री बद्री लाल सोमानी ने देश पर आयोजित कार्यक्रम की रूपरेखा सभी के सामने रखी. पंडित दीनदयाल विचार संघ के राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष तुलसीदास मिश्रा ने भी आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बैठक में रखी, स्वराज -75 वर्ष के उपलक्ष में आयोजित इस राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय चिंतक, प्रखर विचारक, ओजस्वी वक्ता हुकुम चंद सावला का और पूर्व सांसद एवं कई बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष मेघराज जैन का छत्तीसगढ़ के कार्यकर्ताओं ने वहां की विश्व प्रसिद्ध कोशा शॉल से, तमिलनाडु के कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम में तमिलनाडु की सिल्क साल से और राजस्थान के पदाधिकारियों ने किशनगढ़ की प्रसिद्ध चित्रकारी ठबनी -ठनीठ भेंट करके किया, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के कार्यकर्ताओं ने अमृत महोत्सव वर्ष पर हुकुम चंद सावला और मेघराज जैन को शॉल ओढ़ाकर सम्मान पत्र भेंटकर दोनों का अभिनंदन किया, कार्यक्रम का संचालन पंडित दीनदयाल उपाध्याय विचार संघ के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलसीदास मिश्रा ने किया. कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता और पंडित दीनदयाल जी उपाध्याय की तस्वीर पर पुष्पाहार पहनाकर, दीप प्रज्वलित करके किया गया।

समाज सेवी ओम बहादुर थापा के निधन पर शोक सभा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । सेक्टर 82 पाकेट 7 जनता फ्लैट मे रह रहे वरिष्ठ समाज सेवी ओम बहादुर थापा का दिल का

दौरा पड़ने से आकस्मिक निधन हो गया। जो फुटबाल के अच्छे खिलाड़ी एवं कोच भी रह चुके हैं। आर डब्लूू ए मे उनकी अच्छी भूमिका रहती थी। समाज के हर सुख दुःख मे वो समाज के साथ खडे रहते थे। बडे खुशमिजाज एवं नेक दिल इन्सान थे। समाज की बुराइयों का डटकर मुकाबला करते थे और उसका निवारण करने का भरसक प्रयास करते थे ।आज उनकी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए सोसायटी में एक शोक सभा हुई। जिसमे एन के सोलंकी, विष्णु शर्मा ,अंगद सिंह तोमर, जयंत साहू, सुभाष शर्मा, रवि राघव ,बी डी गुप्ता, राजेश पाठक, रविन्द्र कुमार, प्रमोद काला,हरि शंकर सिंह आदि लोगों ने मृतात्मा को शांति के लिए दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

झूठे लगे कृष्णा अभिषेक के आंसू बोले- ये बड़े आदमी हो गए हैं

नई दिल्ली। गोविंदा और उनके भांजे कृष्णा अभिषेक के बीच का विवाद अब पब्लिक हो गया है। पिछले काफी दिनों से दोनों के बीच वाक युद्ध चल रहा है। कुछ दिनों पहले तो पब्लिक सामने ही सही कृष्णा ने माफी मांग ली थी, वो भी आंखों में आंसू लिए हुए। मनीष पॉल संग इंटरव्यू में कृष्णा ने रोते हुए कहा था- मैं वास्तव में गोविंदा से बहुत प्यार करता हूं और मुझे आपकी बहुत याद सताती है। आपको जीवन भर याद करता रहूंगा। आपको कभी भी गलत सूचनाओं पर भरोसा नहीं करना चाहिए, मीडिया में क्या चल रहा है, या क्या लिखा जा रहा है। मुझे केवल एक ही चीज याद आती है, वह यह है कि मैं चाहता हूं कि मेरे बच्चे मेरे मामा के प्ले करें, उनके साथ खेलें। अब कृष्णा की इसी अपील पर गोविंदा ने रिएक्ट किया है। मनीष पॉल के पॉडकास्ट में गोविंदा ने कहा कि कृष्णा को लगता है कि वह बहुत बड़ा हो गया है, उन्होंने कृष्णा पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है। इस बार इस शो के जरिए गोविंदा ने अपने भांजे कृष्णा के लिए कहा- कृष्णा मेरी सबसे प्यारी बहन का लड़का है, मुझे नहीं लगता कि जितना प्यार उसे परिवार में मिला उतना किसको मिला होगा। मैं अपने कंधे पर लेकर उसे वैष्णो देवी गया था। मेरा ऐसा सोचना है कि कृष्णा जिस वक्त एक्ट करते हैं, या उनसे करवाया जाता

है, तो जो राइटर उन्हें लिखकर देते हैं, और जिस वक्त उसे एक्सेप्ट करके कर रहे होते हैं ये काम, तो वो घर-परिवार को लेकर उतना ही करें, जिससे कोई हर्ट न हो। 'गोविंद ने आगे कहा, 'और इतनी अकल न, हर किसी में होती है, लेकिन सुनीता (गोविंद की पतने) मुझे बहुत डांट लगाती है कि आप बच्चों के काम के बीच में नहीं आइए, वो जो काम करते हैं, फ्री रखिए उन्हें। इसलिए मैं भी उतना कुछ बोलता नहीं हूं। अब एक सुनीता की भी खींचतान कर दी गई, तो वो भी नाराज हो गईं। तो इसमें मैं तो कभी आया नहीं, मेरी तो कभी तू-तू, मैं-मैं भी नहीं हुई है। तो मैंने सोचा कि जब कभी तू-तू, मैं-मैं नहीं हुई, तो इतनी थू-थू क्यों हो रही है। आखिर हुआ क्या ऐसा लगा गोविंदा काफी समय से अपनी भावनाएं छुपाए बैठे थे, उन्होंने अपनी बात बताते हुए आगे कहा- 'मैं जिस वक्त कृष्णा के बच्चे हुए तो मैं सुनीता को लेकर हॉस्पिटल गया। वैसे तो हमने बच्चे को देख लिया, लेकिन हमें बच्चे के पास जाने को मना कर दिया गया, तो मैंने सुनीता से कहा कि हो तो सकता है इसलिए मना कर दिया हो कि इंफेक्शन वगैरह हो सकता है। अब सब नया स्टाइल आ गया है, तो मैंने 4 बार कहा कि मैं हॉस्पिटल जाकर बच्चे को देख आया हूं। वो इस बात को मानने को तैयार ही नहीं है। कृष्णा हर इंटरव्यू में कहता है कि मेरे बच्चों को देखने नहीं आए। गोविंदा आगे कहते हैं, 'तब मुझे उस पर थोड़ा सा शक हो गया कि ऐसा क्यों कहता है ये। यार, या तो ये मुझ पर भरोसा नहीं करता है, या तो इसे यकीन है पूरा कि मैं इसके बच्चों से भी प्यार नहीं करता। इसकी सोच ऐसे कैसे हो गई है। तो मैं उससे कहना चाहता हूं कि आप नॉर्मल रहिए, आप चैनल के माध्यम से इंसल्ट करेंगे और चैनल पर ही माफी मांग लेंगे। कब हमारे बीच इतना परायापन आ गया। माफी मांगने की जरूरत पड़ गई और वो भी चैनल के माध्यम से, क्यों? आप विश्वास करने लगे हो कि आप बड़े आदमी हो गए हो। बाहर निकलो इससे, ये कब तक चलना है।'

'खतरों के खिलाड़ी' में स्टंट से परेशान होकर अचानक शुरू कर दिया ये काम

नई दिल्ली। टीवी की बहू और अब तक कई रिएलटी शोज में अपने जलवों से चार चांद लगाने वाली रूबिना दिलैक इन दिनों साऊथ अफ्रीका में हैं। रूबिना शो खतरो के खिलाड़ी में भाग लेने के लिए केप टाउन गई हुई हैं। जहां से उन्होंने अपना एक नया वीडियो

शेयर किया है। वीडियो में रूबिना शो के खतरनाक स्टंट से परेशान कुछ अलग ही करती हुई दिख रही हैं। जिसे देख शो के होस्ट रोहित शेट्टी के भी होश उड़ जाने वाले हैं। दरअसल, रूबिना दिलैक ने अपना एक नया डांस वीडियो शेयर किया है। जिसमें वे बीच साइड ग्लैमरस बन नाचती गाती दिख रही हैं। रूबिना का खतरो के खिलाड़ी में स्टंट करते-करते मन भर गया तो उन्होंने इससे थोड़ा ब्रेक लेनी का मन बनाया और अपने पुराने अंदाज में कुछ तड़कता भड़कता करने की सोची। बस फिर क्या था स्टाइलिश क्रॉप टॉप और पैंट के साथ कूल स्लिंग बैग कैरी किए रूबिना बीच समुंद्र में शुरू हो गई और एक जबरदस्त परफॉर्मेंस दे डाली। यहां देखें टीवी की छोटी बहु का यह दिलकश अंदाज हाल ही में रुबीना दिलैक ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की थीं। जिनमें वे डार्क ग्रीन ब्लेजर और पैंट पहने दिखाई दीं। जिसे एक्ट्रेस ने येलो कलर के बूट्स के साथ मैच किया। इसके साथ ही उन्होंने लाइट मेकअप अप्लाई करते हुए पिंक लिपस्टिक से अपने लुक को कंप्लीट किया। हेयर स्टाइल की बात करें तो उन्होंने बालों को खुला रखा है। इन तस्वीरों में वह बेहद खूबसूरत लग रही हैं और कई अलग- अलग पोज करते हुए नजर आईं। यहां देखें तस्वीरें खतरो के खिलाड़ी सीजन 12 में रुबीना दिलैक के अलावा 'बिग बॉस' के एक्स कंटेस्टेंट राजीव अदातिया, प्रतीक सहजपाल, फैजल शेख, चेतना पांडे, शिवांगी जोशी ,जनन्त जुबैर रहमानी, निशात भट्ट, श्रीति झा, मोहित मलिक, अनेरी वाजानी जैसे कई अन्य सितारें भी नजर आएंगे।

साल पहले प्रियंका चोपड़ा ने कराया था बेहद बोल्ड बिकिनी फोटोशूट..........

नई दिल्ली। ग्लोबल एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा अपने हिंदी सिनेमा से लेकर हॉलीवुड तक एक बड़ा नाम कमाया है। प्रियंका ने अपने करियर में कई हिट फिल्मों के साथ कई खिबात

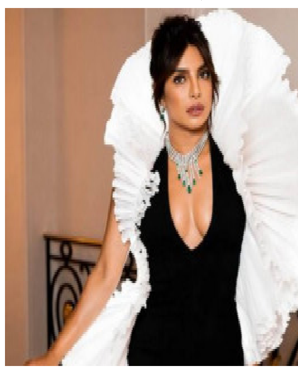

भी अपने नाम किया है। इसके साथ ही प्रियंका इंडस्ट्री में अपनी बोल्डनेस के लिए भी जानी जाती हैं। एक्टिंग के साथ प्रियंका सोशल प्लेटफॉर्म पर अपने फैंस के साथ जुड़ी रहती हैं। वह अक्सर ही अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरें और वीडियोज पोस्ट कर फैंस को ट्रीट देती रहती हैं। इसी बीच प्रियंका ने अपनी एक सालों पुरानी बोल्ड तस्वीर शेयर कर फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा दी है। इस तस्वीर को देखकर फैंस अपने रिएक्शन देते नजर आ रहे हैं। आप भी यहां देखें प्रियंका की बोल्ड तस्वीर प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक 22 साल पुरानी फोटो शेयर की है। इस तस्वीर में एक्ट्रेस को पहचान पाना बेहद ही मुश्किल है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि प्रियंका ने ये फोटोशूट उस वक्त करया था जब वह महज 18 साल की थीं। इस फोटो में प्रियंका एनिमल प्रिंट की बिकिनी पहने पोज देती दिख रही हैं। इस तस्वीर शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 'सिरसा नवंबर 2000,पेश कर रही हूं अपना 18 साल पुराना स्मोल्डर।प्रियंका चोपड़ा की तस्वीर को फैंस ही नहीं बल्कि सेलेब्स काफी पंसद कर रहे हैं। हर कोई इस पर कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहा है। इस तस्वीर पर कमेंट कर एक्टर रणवीर सिंह ने लिखा, वहीं एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'आप इसमें भाग्यश्री की तरह लग रही हो, पता नहीं क्यों।' इसके साथ फैंस इस पर फायर, लव, हार्ट की इमोजी शेयर कर उनकी तारीफ कर रहे हैं।

लंबे समय से प्रीता का किरदार निभा रहीं श्रद्धा आर्या बनीं 'दयाबेन'

नई दिल्ली। कुंडली भाग्य एक्ट्रेस श्रद्धा आर्या अपने शो के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी प्रशंसकों का मनोरंजन करने का कोई मौका नहीं छोड़तीं। वह इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव हैं और अक्सर अपने कुंडली भाग्य के सेट से स्टार कास्ट के साथ मस्ती करते हुए वीडियो शेयर

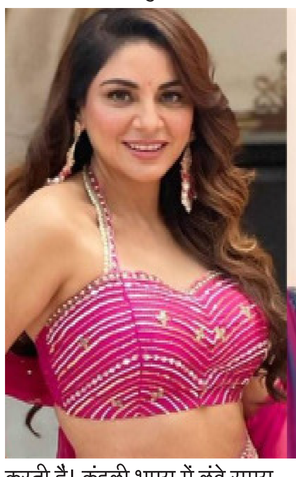

करती हैं। कुंडली भाग्य में लंबे समय से प्रीता की भूमिका निभाने वालीं श्रद्धा आर्या अब दयाबेन बन चुकी हैं। श्रद्धा आर्या ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जो उनके चाहने वालों को खूब पसंद आ रहा है। कुंडली भाग्य एक्ट्रेस श्रद्धा आर्या का ये वीडियो बहुत ही मजेदार है। इस वीडियो में वह अपनी गर्ल गैंग के साथ नजर आ रही हैं। इस वीडियो में माथे पर बिंदी लगाए और मैक्सी ड्रेस पहनी श्रद्धा आर्या बेहद ही खूबसूरत लग रही हैं। इस वीडियो में वह दयाबेन के डायलॉग 'तो क्या इरादा है' को मिमिक करती हुईं दिखाई दे रही हैं। इतना ही नहीं श्रद्धा आर्या ने इस वीडियो में 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में दयाबेन की तरह एक्सप्रेशन भी पकड़े हैं। प्रीता के इस वीडियो पर उनके चाहने वाले जमकर प्यार लुटा रहे हैं। उनकी इस मजेदार वीडियो को देखने के बाद फैंस खुद को उनकी मजेदार वीडियो पर कमेंट करने से रोक नहीं पा रहे हैं। एक यूजर ने उनके वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, 'श्रद्धा आप दिन-ब-दिन और भी फनी होती जा रही हैं'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'आप बहुत ही क्यूट लग रही हैं श्रद्धा'। अन्य यूजर ने लिखा, 'एक्सप्रेशन की दुकान हो आप'। श्रद्धा आर्या के इस वीडियो को अब तक 65 हजार से अधिक लाइक्स मिल चुके है। श्रद्धा आर्या पिछले 5 साल से एकता कपूर के शो 'कुंडली भाग्य' में मेन लीड के रूप में नजर आ रही हैं। उनके साथ इस शो में धीरज धूपर मुख्य भूमिका में हैं। दोनों की करण-प्रीता की जोड़ी दर्शकों को बहुत पसंद हैं। हालांकि अब ये जोड़ी जल्द ही टूटने वाली है, क्योंकि खबर है कि धीरज धूपर शो को जल्द ही अलविदा कह देंगे और उनकी जगह मुख्य भूमिका में सिलसिला एक्टर शक्ति अरोड़ा नजर आएंगे।

सलमान खान धमकी मामले में पुलिस का बड़ा खुलासा, बताया किस गैंगस्टर ने भेजा था लेटर

नई दिल्ली। सुपरस्टार सलमान खान और उनके पिता सलीम खान को मिले धमकी भरे लेटर मामले में मुंबई पुलिस ने अहम खुलासा किया है। इस केस में गहन जांच और आरोपी लॉरेंस बिशनेई के

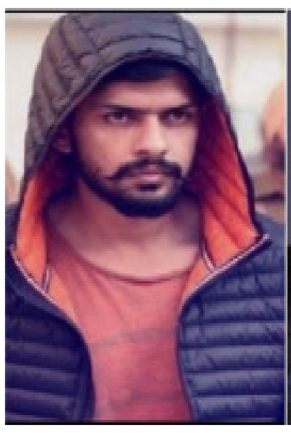

बयान दर्ज कराने के बाद पुलिस इस नतीजे पर पहुंची है कि जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिशनेई की तरफ से ही सलमान को धमकी भरा पत्र जारी किया गया था। हालांकि कि हाई प्रोफाइल मामले में पुलिस की जांच अभी भी जारी है। उम्मीद की जा रही है कि आने वाले समय में ऐसे और भी खुलासे हो सकते हैं मुंबई पुलिस ने बताया कि- जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिशनेई ने ही सलमान खान और उनके पिता सलीम खान को धमकी भरा खत जारी किया था। उसके गिरोह के तीन लोग जालोर (राजस्थान) से मुंबई में चिट्ठी छोड़ने आए थे। इस दौरान दोनों आरोपी सौरभ महाकाल से मिले थे। आरोपी सौरभ महाकाल ने खुलासा किया कि बिशनेई के मददगार विक्रम बराड़ ने ही सलीम खान तक लेटर पहुंचाया गया था। इस केस में मुंबई पुलिस ने आगे बताया कि- सलमान खान धमकी पत्र मामला में क्राइम ब्रांच ने चिट्ठी डालने वाले लोगों की पहचान कर ली है, उनसे जुड़े सुराग मिले हैं। उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उनकी शिनाख्त के ठीक बाद 6 टीमों को भारत के विभिनन्न हिस्सों में भेजा गया है बता दें कि इस मामले में सलमान खान अपना बयान दर्ज करा चुके हैं। ई-टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान से गैंगस्टर गोल्डी बराड़ और लॉरेंस बिशनेई से किसी भी तरह के संबंध के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि उन्हें किसी पर शक नहीं है। उन्होंने बताया- मैं साल 2018 से लॉरेंस बिशनेई को जानता हूं, क्योंकि तब उसने मुझे धमकी दी थी। हालांकि गोल्डी बराड़ के बारे में सलमान खान ने साफ कहा कि वह उसे नहीं जानते हैं।

पुजा ने फ्लाइट के स्टाफ पर लगाया अभद्र व्यवहार करने का आरोप

नई दिल्ली। साउथ सिनेमा की बड़ी स्टार और हिंदी फिल्मों में अपनी पहचान बना रहीं एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने हाल ही में एक फ्लाइट स्टाफ के प्रति अपना गुस्सा जाहिर किया। ट्वीट करते हुए हाउसफुल

एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने एक ट्वीट के जरिए अपने साथ हुए दुर्व्यवहार के बारे में बताया। पूजा हेगड़े के इस ट्वीट पर इंडिगो की तरफ से ट्वीट करके माफी भी मांगी गई, लेकिन सोशल मीडिया पर लोगों ने एक्ट्रेस की बात को एक तरफा बताते हुए उन्हें सोशल मीडिया पर बुरी तरह से ट्रोल कर दिया। पूजा हेगड़े ने हाल ही में एक ट्वीट किया। ट्वीट करते हुए पूजा हेगड़े ने लिखा, 'इंडिगो के स्टाफ मेंबर के रूढ़ व्यवहार से बहुत ज्यादा दुखी हूं। मुंबई से निकली एक फ्लाईट में विपुल नकाशे के दुर्व्यवहार ने मुझे बहुत ही ज्यादा अपसेट किया। बिना किसी कारण के उन्होंने अहंकारी, अज्ञानी और धमकी भरे लहजे के साथ हमारे साथ व्यवहार किया। आमतौर पर मैं इस तरह के मुद्दों के बारे में ट्वीट नहीं करती, लेकिन यह बहुत ही ज्यादा डर पैदा करने वाला है' पूजा हेगड़े ने जैसे ही अपने ट्विटर अकाउंट पर इंडिगो के खिलाफ ट्वीट किया, तुरंत ही इंडिगो ने उनसे माफी मांगते हुए उनके ट्वीट का जवाब दिया। इंडिगो से जुड़े लोगों ने ट्वीट करते हुए लिखा, 'मिस हेगड़े, आपके इस अनुभव के लिए हमें क्षमा कीजिये, हम आपसे तुरंत ही कनेक्ट होते हैं, प्लीज आप हमें अपना नम्बर कांटेक्ट नम्बर के साथ भेज दीजिये।

नयनतारा के प्यार में डूबे विग्नेश शिवन ने पत्नी के लिए लिखा प्यारभरा नोट

नई दिल्ली। दक्षिण भारतीय फिल्मों की बेहद लोकप्रिय और खूबसूरत अदाकार नयनतारा 9 जून को शादी के बंधन में बंध गयीं। नयनतारा ने सात साल लम्बी रिलेशनशिप के बाद फिल्ममेकर विगन्श शिवन के गले में वरमाला डाल दी। दोनों की शादी साउथ सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक काफी चर्चित रही। फैंस भी अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस को जीवन का अगला अध्याय शुरू करते देख खुश हैं। शादी के बाद

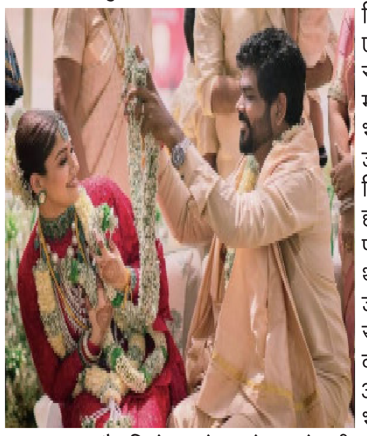

नयनतारा और विगन्शन ने अपने-अपने सोशल मीडिया एकाउंट्स से तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें दोनों की खुशी देखते ही बनती है। तस्वीरें में नयन बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। नयनतारा ने शादी के मौके पर लाल रंग की साड़ी, फुल स्लीव्स ब्लाउज और हैवी ज्वेलरी पहनी। वहीं, विगन्श ने पारम्परिक सिल्क का कुर्ता और धोती इस मौके के लिए चुना।नयनतारा और विगन्श शिवन एक-दूसरे को वरमाला पहना रहे हैं। वरमाला की रस्म पूरी होने के बाद विगन्श पतने को किस करते नजर आ रहे हैं। शादी की रस्में गुरुवार सुबह महाबलीपुरम में हुई थीं। बता दें, नयनतारा और विगन्श सात सालों से रिलेशनशिप में थे। नयनतारा ने साउथ की सभी भाषाओं मलयालम, तमिल, तेलुगु और कनन्ड़ में काम किया है। मुख्य रूप से तमिल और तेलुगु सिनेमा में उनका काम चर्चित हुआ है। नयनतारा अब शाह रुख खान के साथ पैन-इंडिया फिल्म जवान से हिंदी डेब्यू कर रही हैं। एटली के निर्देशन में बन रही फिल्म तमिल, तेलुगु, मलयालम और कनन्ड़ भाषाओं में भी रिलीज की जाएगी। यह एक एक्शन फिल्म है। कुछ दिनों पहले ही इसका टीजर और पोस्टर रिलीज किया गया था। फिल्म अगले साल 2 जून को आएगी। शाह रुख खान अपनी मैनेजर पूजा ददलानी के साथ नयनतारा और विगन्श की शादी में भी शामिल हुए थे। विगन्श ने भी इन तस्वीरों को सोशल मीडिया में शेयर करके नयनतारा के लिए इमोशनल नोट लिखा। उन्होंने एक्ट्रेस के साथ अपनी रिश्ते के विभिनन् चरणों को याद किया और नयनतारा को पतनी बनाने पर खुशी जताई। उन्होंने लिखा- नयन मैम से कादम्बरी, थंगामे, मेरी बेबी और फिर उयर और कनमनी भी और अब मेरी पतनी। इसके साथ विगन्शन ने कई इमोजी बनाकर जज्बात बयां किये।

किसी महल से कम नहीं हैं कंगना रनोट का नया घर, अंदर की तस्वीरें देख चुंधिया जाएंगी आपकी आंखें

नई दिल्ली। बॉलीवुड क्वीन कंगना रनोट इंडस्ट्री की उन स्टार्स में से हैं जो न सिर्फ पर्दे पर बल्कि रियल लाइफ में भी काफी हिट हैं। असल जिंदगी में कंगना एक लग्जूरियस लाइफ

जीती हैं। कंगना के फैंस न सिर्फ उन्हें फिल्मों के जरिए बल्कि उनकी पर्सनल लाइफ के बारे में भी जानने के लिए क्रेजी रहते हैं। फिर चाहे वो उनकी लाइफ स्टाइल हो या फिर उनका आलिशान बंगला के अंदर की एक झलक। अगर आप भी कंगना के फैन हैं और उनके घर की एक झलक देखने की ख्वाहिश रखते हैं तो बता दें कि कंगना के नए घर की तस्वीरें पहली बार सामने आई हैं। यहां देखें तस्वीरें 'धाकड़' एक्ट्रेस कंगना रनोट ने हिमाचल प्रदेश एक नया आलीशान घर खरीद लिया है। कंगना ने अपने इस नए घर के अंदर की तस्वीरें फैंस के साथ शेयर की है। इन तस्वीरों में उनके ड्रीम हाउस की झलक देखकर फैंस की आंखें खुली की खुली रह गईं। कंगना का नया घर अंदर से किसी महल से कम नहीं है। उनके घर में एक नहीं बल्कि कई मास्टर बेडरूम्स हैं। वहीं दीवारों से लेकर सीलिंग तक का इंटीरियर बेहद ही आलिशान हैं। वहीं घर का एक–एक कोने लेकर फर्नीचर तक हर चीज रॉयल है। फोटोज में आप देख सकते हैं कि कगांना ने अपने तीनों बेडरूम्स की झलक दिखाइ है। उनका हर बेडरूम का इंटीरियर काफी अलग और रॉयल है। पहाड़ों की रहने वाली कंगना का नया और आलिशान घर भी इन्हीं खूबसूरत वादियों के बीच है। अंदर से लेकर बाहद तक उनका ये घर जो देखे बस उसे देखता ही रह जाए।उनके घर का लिविंग रूम भी काफी शानदार है। वहीं ब्राउन कलर के सोफा सेट, झूमर और एंटीक के शो पीस जैसी चीजें उनके लिविंग रूम में चार चांद लगा रहा है। एक्ट्रेस के घर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

फ्लॉप होने के करीब पहुंची अक्षय कुमार की 'सम्राट पृथ्वीराज'

नई दिल्ली। 'सम्राट पृथ्वीराज' अक्षय कुमार और मेकर्स के लिए एक बुरा सपना साबित हो रही है। भारत के सबसे बड़े प्रोडक्शन हाउस में से एक, यशराज फिल्म्स के सपोर्ट से बनी इस फिल्म को भारी नुकसान हो रहा है। ज्यादातर जगहों पर दर्शकों की संख्या कम होने के चलते शोज कैंसिल करने पड़े। रिपोर्ट्स

की मानें तो इस मैगन्म ओपस 100 करोड़ से अधिक के भारी नुकसान में है। हालांकि फिल्म की ओटीटी रिलीज के लिए मेकर्स मोटी रकम वसूल कर चुके हैं, बावजूद इसे इस भारी नुकसान की भरपाई कहा से होगी ये सोचने वाला प्रशन् है। अक्षय कुमार के लिए ये साल कुछ खास अच्छा नहीं रहा। पहले होली के दिन रिलीज हुई बच्चन पांडे बुरी तरह फ्लॉप रही बाद में लोगों ने 250 करोड़ से भी ज्यादा की लागत से बनी 'सम्राट पृथ्वीराज' को नकार दिया। फिल्म अपने शुरुआती दिनों से ही विवादों में घिर गई थी। इसकी असफलता के पीछे प्रमोशन को भी एक कारण बताया जा रहा है। रिलीज के बाद चंद्रप्रकाश द्विवेदी की इस फिल्म को मिले-जुले रिव्यू मिले जिसने इसकी कमाई में अच्छा खासा डेंट पहुंचाया। किसी भी फिल्म के प्रॉफिट में जाने के लिए प्री-रिलीज बिजनेस काफी मायने रखता है। 'सम्राट पृथ्वीराज' की बात करें तो फिल्म ने कथित तौर पर ओटीटी और सैटेलाइट राइट्स डील के जरिए करीब 120 करोड़ की कमाई की है। यह बहुत बड़ा है, लेकिन ये आंकड़ा भी सम्राट पृथ्वीराज की नैया पार नहीं लगा पा रहा। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो फिल्म की लागत 280 करोड़ रुपए है। अब तक अक्षय की इस पीरियड ड्रामा फिल्म ने घरेलू प्लेटफॉर्म पर करीब 50 करोड़ की ही कमाई की है। 120 करोड़ और 50 को जोड़ भी दें तो ये नंबर 170 करोड़ कर ही पहुंचता है। बाकि फिर भी 110 करोड़ बच जाते हैं जो इसे सुपर फ्लॉप की कैटेगरी में लाकर खड़ा कर देते हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।